04 - दिल्लीः एक पूर्व सीएम के सामने दो पूर्व सीएम के बेटे

05 - हेमू कालाणी : त्याग, बलिदान एवं देशभक्ति का प्रखर नायक

A Daily News Magazine
भोपाल
मंगलवार, 21 जनवरी, 2025

06 - सीएम राइज स्कूल के बच्चों को मिलेगी बेहतर सुविधाएं

07 - केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि योजनाओं और...

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-142 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

बिहार: जिला इकाइयों के फेरबदल से लव-कुश वोट साध रही बीजेपी

शंकर अर्निमेष

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने बिहार में अपने संगठनात्मक पुनर्गठन के तहत 40 से अधिक जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की है, जिसका उद्देश्य इस वर्ष के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों पर ध्यान केंद्रित करना है। इन नियुक्तियों में मुख्य विचार 'सामान्य या उच्च जातियों' का रहा है, जो बिहार की जनसंख्या का केवल 15.52 प्रतिशत बनाती हैं, जैसा कि 2022 के जाति सर्वेक्षण में बताया गया है, लेकिन राज्य की सरकार और सत्ता में इनका बड़ा प्रभाव है; मुख्यमंत्री और एनडीए सहयोगी जेडी(यू) नेता नीतीश कुमार की जाति आधार, जिसमें कुम्हार और कुशवाहा (बिहार में लव-कुश के नाम से पहचानी जाने वाली प्रमुख ओबीसी जातियां) शामिल हैं; और वे कार्यकर्ता जो ज़मीन से उठकर आए हैं।

पहले 45 जिला अध्यक्षों में कोई महिला नहीं थी, लेकिन इस बार बीजेपी ने दो महिलाओं को नियुक्त किया है- रेशमा भारती, जो यादव ओबीसी (अन्य पिछड़ी जातियों) समूह से हैं, जिन्हें कुम्हार-यादव बहुल शेखपुरा जिले का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, और नीलम साहनी, एक ओबीसी नेता जिन्हें समस्तीपुर जिले के लिए चुना गया है।

40 जिला अध्यक्षों में से 18 या 45 प्रतिशत 'उच्च जातियों' से हैं। 'पिछड़ी जातियों' से, 10 जिला अध्यक्षों का चयन लव-कुश जाति आधार से किया गया है, जबकि बाकी ईबीसी (अत्यधिक पिछड़ी जातियाँ) और अन्य समूहों से हैं। बीजेपी का कुशवाहाओं को आकर्षित करने का दांव, जिसमें सम्राट चौधरी को उपमुख्यमंत्री और राज्य अध्यक्ष के रूप में पदोन्नत किया गया था, पिछले साल के लोकसभा चुनावों में सफल नहीं हुआ, क्योंकि पार्टी की सीटों की संख्या में पांच की गिरावट आई। हालांकि, पार्टी ने विस चुनावों को ध्यान में रखते हुए अपनी संगठनात्मक संरचना में कुशवाहाओं और कुम्हारों पर ध्यान केंद्रित किया है।

अब तक, बीजेपी ने 16 नए उम्मीदवारों को जिला अध्यक्ष के रूप में चुना है और 22 पुराने उम्मीदवारों को दो कार्यकाल पूरा करने से पहले पुनर्नियुक्त किया है। सूत्रों के अनुसार उन जिलों में से आधे में जहां पार्टी ने एक भी विधानसभा सीट नहीं जीती थी, उन जिलों में अंडरपरफॉर्मिंग माने गए आधे जिला अध्यक्षों को बदल दिया गया है। वे कार्यकर्ता जो ज़मीन से उठकर जिला स्तर पर पहुंचे हैं, उन्हें प्राथमिकता दी गई है। कुछ जिलों को दो संगठनात्मक क्षेत्रों में विभाजित किया गया है और जिला अध्यक्षों की संख्या बढ़ाकर 52 किए जाने की संभावना है।

'चूंकि सामान्य जाति राज्य में बीजेपी की रीढ़ है, पार्टी ने संगठनात्मक या मंत्रिस्तरीय नियुक्तियों के दौरान अपने पारंपरिक समर्थन आधार को ध्यान में रखा है। पार्टी ने पिछड़ी जातियों में पिछले दो दशकों में भी अपनी पैठ बनाई है और इसीलिए पिछड़ी जाति के नेताओं को सम्मानित किया है, चाहे वे ईबीसी, ओबीसी या दलित समूहों से हों।' बिहार बीजेपी के एक कार्यकर्ता ने कहा, 'जाति अंकगणित को संगठनात्मक चुनावों में इस तरह से ध्यान में रखा गया है ताकि हर जाति को सत्ता में हिस्सा मिल सके। यह बीजेपी थी, जिसने पहले तारकिशोर प्रसाद और रेनू देवी को उपमुख्यमंत्री के रूप में पदोन्नत किया था। 2023 में ईबीसी समुदाय के हरी साहनी को विधान परिषद में विपक्ष के नेता के रूप में चुना गया। सम्राट चौधरी उपमुख्यमंत्री के रूप में पार्टी का चेहरा रहे हैं। हमने ओबीसी नित्यानंद राय (यादव) को केंद्रीय मंत्रिमंडल में भेजा था।'

बिहार बीजेपी के महासचिव जगन्नाथ ठाकुर ने भी कहा कि जाति अंकगणित के अलावा संगठनात्मक क्षमताओं को जिला अध्यक्षों के चयन में ध्यान में रखा गया है, और पार्टी ने बिहार चुनावों को देखते हुए अपनी संगठनात्मक संरचना में प्रमुख जातियों का प्रतिनिधित्व करने की कोशिश की है और पिछड़ी जातियों को सशक्त किया है। रेशमा भारती ने अपने चयन को 'पिछड़ी यादव जाति की महिलाओं के लिए एक बड़ा सम्मान' बताया।

बीजेपी ने कुर्मी और कुशवाहा जातियों से 10 जिला अध्यक्ष चुने हैं, हालांकि लोकसभा चुनाव में इन जातियों का समर्थन नहीं मिला था। ये दोनों जातियां नीतीश कुमार के प्रति वफादार रही हैं, लेकिन 2022 में जब नीतीश ने बीजेपी को छोड़ दिया, तो बीजेपी ने कुशवाहा नेता चौधरी को राज्य बीजेपी प्रमुख और बाद में उपमुख्यमंत्री बना कर बिहार के मुख्यमंत्री के लव-कुश गठबंधन में सेंध लगाने की कोशिश की थी। चौधरी की तेज़ी से न्नति इस बात का उदाहरण है कि बीजेपी लगातार कुशवाहा समुदाय को अपनी पार्टी में शामिल करने की कोशिश कर रही है।

ओबीसी में, कुशवाहा जाति यादवों के बाद दूसरी बड़ी जाति है, जो बिहार के चुनावी मतदाता के 14 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करती है और राजद के प्रति वफादार हैं। लोकसभा चुनावों में, लालू ने महागठबंधन के तहत कुशवाहा समुदाय से सात उम्मीदवार उतारे थे। इनमें से अभय कुशवाहा, श्रवण कुमार कुशवाहा और आलोक मेहता राजद से थे, जबकि संजय कुमार सीपीआई (एम) से, राजाराम सिंह सीपीआई (एमएल) से, अंशुल अविजित कांग्रेस से और राजेश कुशवाहा विकासशील इंसान पार्टी से थे। बीजेपी ने लोकसभा चुनाव में कोई कुशवाहा उम्मीदवार नहीं उतारा था, लेकिन एनडीए ने चार कुशवाहा उम्मीदवार उतारे थेः विजय लक्ष्मी कुशवाहा, संतोष कुशवाहा और सुनील कुमार, ये सभी जद(यू) से थे, और उपेंद्र कुशवाहा राष्ट्रीय लोक समता पार्टी से थे। आरजेडी के कुशवाहा कार्ड ने एनडीए की कई सीटों पर असर डाला था और कुछ सीटों पर जीत के मार्जिन को भी घटाया था, जैसे नवादा, मुंगेर और वाल्मीकि नगर।

उसके बाद, बीजेपी ने उपेंद्र कुशवाहा को राज्यसभा भेजा और अब पार्टी अपने संगठन में इस जाति को बढ़ावा दे रही है। सहयोगी जद(यू) ने भी अपने बिहार अध्यक्ष को कुशवाहा जाति से चुना है। वहीं, आरजेडी ने अपने औरंगाबाद सांसद अभय कुशवाहा को लोकसभा में नेता नियुक्त किया है। बीजेपी के एक वरिष्ठ नेता ने विश्वास जताया है कि लव-कुश को एनडीए में शामिल किया जा सकता है। 'नीतीश मुख्यमंत्री हैं, उपेंद्र कुशवाहा एक बड़े नेता हैं जो अब राज्यसभा सीट से संतुष्ट हैं, और सम्राट चौधरी उपमुख्यमंत्री हैं। ये तीनों मिलकर कुर्मी-कुशवाहा मतदाताओं को एनडीए के पक्ष में एकजुट कर सकते हैं।'

बिहार में बीजेपी की ताकत 'उच्च जातियों' के समर्थन में है। पिछले लोकसभा चुनाव में, बीजेपी ने बिहार की 40 सीटों में से 17 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 10 'उच्च जाति' उम्मीदवार उतारे थः पांच राजपूत, दो भूमिहार, दो ब्राह्मण और एक कायस्थ। बाकी उम्मीदवार ओबीसी, ईबीसी और दलित समूहों से थे। 2023 में, बीजेपी ने जिला अध्यक्ष के रूप में आठ ब्राह्मणों, छह भूमिहारों, चार राजपूतों और दो कायस्थों का चयन किया था। बाकी उम्मीदवार ओबीसी और ईबीसी समूहों से थे।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

मुख्यमंत्री ने 21वें आयुर्वेद पर्व के अंतर्गत राष्ट्रीय सेमिनार और आरोग्य मेले का किया शुभारंभ

आयु की प्रत्येक अवस्था में बेहतर जीवन जीने का प्रमाणिक मार्ग है आयुर्वेद : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

आयुर्वेद के माध्यम से ही सौ वर्ष जीने के लक्ष्य को किया जा सकता है साकार

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि आयुर्वेद के माध्यम से ही सौ वर्ष जीने के लक्ष्य को साकार कर 'जीवते शरदः शतम्' के भाव को सिद्ध किया जा सकता है। आयुर्वेद, आयु की प्रत्येक अवस्था में बेहतर जीवन जीने का प्रमाणिक मार्ग है। परमात्मा ने

- **मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अगला आयुर्वेद पर्व, सिंहस्थ 2028 में करने का दिया आमंत्रण, राज्य सरकार होगी आयोजक**

प्रकृति में ही हर व्याधि के लिए औषधि दी है, इस तथ्य का सर्वाधिक ज्ञान और उसे व्यवहार में लाने की क्षमता आयुर्वेद में नीहित है। वनस्पतियों की जानकारी और योग की क्षमता से व्यक्ति स्वस्थ रहने के मार्ग का अनुसरण कर सकता है। आयुर्वेद हजारों साल पुरानी परंपरा है, संपूर्ण विश्व इसका अनुसरण करने के लिए तत्पर है और भारत आयुर्वेद की विधा का राजदूत है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय ज्ञान परंपरा की इस विधा को वैश्विक स्तर पर विस्तार देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अगला आयुर्वेद पर्व सिंहस्थ 2028 के अवसर पर उज्जैन में करने के लिए आमंत्रण देते हुए कहा कि राज्य सरकार इस पर्व की आयोजक होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को 21वें आयुर्वेद पर्व-2025 के अंतर्गत राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन-सत्र को संबोधित कर रहे थे।

प्रदेश में 11 आयुर्वेदिक कॉलेज आरंभ किए जाएंगे- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 11 आयुर्वेदिक कॉलेज आरंभ किए जाएंगे। नई शिक्षा नीति के प्रावधान अनुसार विश्वविद्यालयों को आयुर्वेदिक, मेडिकल सहित अन्य सभी प्रकार के कोर्स संचालित करने की अनुमति राज्य सरकार द्वारा प्रदान की गई है। आयुर्वेद में पैरामेडिकल, नर्सिंग आदि कोर्सेज चलाने की व्यवस्था की जाएगी। आयुष से संबंधित क्लीनिक और नर्सिंग होम पंजीयन का कार्य आयुष विभाग को सौंपा जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के समान आयुष में भी सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष की जाएगी। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान उज्जैन में आरंभ किया जाएगा। आयुष विभाग की क्रय नीति में आवश्यक संशोधन कर उसे सरल बनाया जाएगा। प्रदेश में आयुर्वेदिक उत्पादों की इकाई स्थापित करने पर राज्य शासन की ओर से सहयोग प्रदान किया जाएगा। उज्जैन में सिंहस्थ के लिए आयुर्वेदिक संस्थानों को भी स्थाई निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। उज्जैन में अंतरराष्ट्रीय वैदिक न्यायालय स्थापित करने में राज्य शासन की ओर से सहयोग प्रदान किया जाएगा।

आयुर्वेद में शोध को प्रोत्साहित करने राज्य सरकार प्रतिबद्धः मंत्री श्री परमार

आयुष, तकनीकी शिक्षा और उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि आयर्वेद में शोध को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। विधायक श्री भगवान दास सबनानी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने आयुर्वेद में उल्लेखित औषधियों के आधार पर स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए विकसित देशों के लोगों को भी प्रेरित किया है। पद्मश्री एवं पद्म भूषण श्री देवेंद्र त्रिगुणा ने प्रदेश में पचमढ़ी और उज्जैन जैसे स्थानों पर आयुर्वेद, योग, पंचकर्म, आदि के केंद्र विकसित करने का सुझाव रखा। वैद्य श्री मनोज नेसरी ने आयुष को तकनीक से जोड़ने की दिशा में पहल करने की आवश्यकता बताई। महर्षि वैदिक विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ.गिरीश चंद्र वर्मा ने शाला से उच्च शिक्षा स्तर तक के विद्यार्थियों को स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान करने के लिए आवश्यक व्यवस्था विकसित करने का सुझाव दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया आयुर्वेद के कर्मठ और निष्णात वैद्यों को सम्मानित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रीय सेमिनार का धनवंतरी पूजन और दीप प्रज्ज्वलन कर डिजिटल उद्घाटन किया। साथ ही आरोग्य पर्व पर प्रकाशित सोवेनियर का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयुर्वेद क्षेत्र के कर्मठ और निष्णात वैद्यों को सम्मानित किया और मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित व्याख्याताओं को नियुक्ति-पत्र प्रदान किए।

सुप्रभात

जब तक
एक फूल खिल रहा है

जब तक एक नदी
बह रही है

जब तक
पहाड़ की चट्टानों को चीर
एक झरना तलहटी को
हरीभरी बना रहा है

जब तक
ओस की बूंदें
दूब को सरस बना रही हैं

जब तक
चिड़ियाएं तिनके बटोर
घोंसला बना रही हैं

तब तक
जीवन अपना जीवन
जी रहा है
मरा नहीं है।

-दुर्गाप्रसाद झाला

गोरखपुर में सीएम योगी ने हाथी-गैंडों को केले खिलाए

सीएम को देख टाइगर दहाड़ा, बहराइच से पकड़े गए भेड़ियों का नाम भैरव-भैरवी रखा

गोरखपुर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को गोरखपुर में हैं। उन्होंने शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणी उद्यान में हाथी रेस्क्यू सेंटर का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने पूजा-अर्चना की। हाथी को उसके बाड़े में केला और गन्ना खिलाया। इसके बाद गैंडों को भी केले खिलाए।

उन्होंने बहराइच से पकड़कर लाए गए 2 भेड़ियों को नए बाड़े में छोड़ा। योगी ने नर भेड़िए का नाम भैरव और मादा का नाम भैरवी रखा। इसके बाद पीलीभीत से लाए गए टाइगर के बाड़े के सामने गए। सीएम को देखकर टाइगर ने दहाड़ लगाई।

जब योगी आदित्यनाथ ने मंच संभाला, तब उन्होंने सांसद रवि किशन को लेकर चुटकी ली। बोले- आप देखिएगा कि कितना भारी भरकम बाघ है। ये रवि किशन तो बाड़े में जाना चाहते थे, हम लोगों ने ही रोका कि अभी भाषण भी देना है, रहने दो।

आज से अमेरिका में ट्रंप युग शुरू

- 47वें राष्ट्रपति के तौर पर ट्रम्प ने देर रात शपथ ली
- शपथ से पहले ट्रम्प बोले- तीसरा विश्व युद्ध रोकूंगा
- पत्नी के साथ चर्च गए, बाइडेन से मिले, एक ही गाड़ी में संसद हुए रवाना, पुतिन ने बधाई दी

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में वो घड़ी आ गई है, जिसका डोनाल्ड ट्रंप और उनके समर्थकों को इंतजार था। सोमवार (20 जनवरी) को अमेरिका के राष्ट्रपति का शपथ ग्रहण समारोह थौ। शपथ लेने के बाद रिपब्लिकन नेता डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के 47वें और अपने जीवन में दूसरी बार राष्ट्रपति बन जाएंगे। ट्रंप का शपथ ग्रहण समारोह यूएस कैपिटल बिल्डिंग के अंदर स्थानीय समयानुसार दोपहर 12.00 बजे शुरू होना है। उस समय भारत में रात के साढ़े 10 बज रहे होंगे। ट्रम्प पत्नी मेलानिया के साथ व्हाइट हाउस पहुंचे। यहां उनका स्वागत राष्टपति जो बाइडेन ने किया। उधर, रूस के राष्टपति व्लादिमीर पुतिन ने ट्रम्प को बधाई दी है ।ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में दुनियाभर से कई खास मेहमान शामिल हुए। इसमें भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। अन्य वैश्विक मेहमानों में चीन के उपराष्ट्रपति, जापान और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री समारोह में शामिल हुए। समारोह में पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, जॉर्ज डब्ल्यू बुश और बराक ओबामा भी शामिल हुए।

- **पदभार ग्रहण करने के बाद ट्रंप जारी कर सकते हैं ये कार्यकारी आदेश**

डोनाल्ड ट्रंप आव्रजन, ऊर्जा नीति और संघीय सरकार के ऑपरेशंस पर कार्यकारी कार्रवाइयों को जल्दी से लागू करेंगे। ट्रंप ने रविवार (19 जनवरी) को अपने पदभार ग्रहण करने के पहले दिन 'करीब 100' कार्यकारी आदेश जारी करने का संकल्प लिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने किए कई अहम फैसले

कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर के दोषी को आजीवन कारावास

- घटना के 164 दिन बाद सजा
- कोर्ट ने कहा- यह रेयरेस्ट ऑफ रेयर मामला नहीं

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में 8-9 अगस्त की रात ट्रेनी डॉक्टर से रेप और मर्डर के दोषी संजय रॉय को उम्रकैद (मरते दम तक जेल) की सजा सुनाई गई है।

सियालदह कोर्ट के जज अनिर्बान दास ने सोमवार, दोपहर 2.45 बजे सजा सुनाते हुए कहा, यह रेयरेस्ट ऑफ रेयर मामला नहीं है। मौत की सजा नहीं दी सकती।

जस्टिस दास ने पश्चिम बंगाल सरकार को निर्देश दिया कि वे पीड़ित परिवार को 17 लाख रुपए मुआवजा दे। हालांकि, परिवार ने इसे लेने से इनकार कर दिया। फैसला सुनाने से पहले दोपहर 12.30 बजे कोर्ट ने दोषी संजय, सीबीआई और पीड़ित परिवार की बातें सुनीं। संजय से कहा- यह बताया जा चुका है कि तुम किन अपराधों के दोषी हो।

कोर्ट ने 18 जनवरी को संजय को दोषी ठहराया था। घटना के 164वें दिन (20 जनवरी) सजा पर 160 पेज का फैसला सुनाया। सीबीआई और पीड़ित परिवार ने मौत की सजा मांगी थी।

- **'हैरान हूं, यह रेयरेस्ट ऑफ रेयर केस क्यों नहीं है? माता-पिता ने आरोपी की सजा पर उठाए सवाल-** ट्रेनी डॉक्टर की रेप के बाद हत्या मामले में दोषी को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। इस पर डॉक्टर के परिजनों ने सोमवार को कहा कि वे दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाने के अदालत के फैसले से संतुष्ट नहीं हैं। वे फांसी की सजा चाहते थे। उन्होंने दावा किया कि मामले की जांच अधूरे मन से की गई और अपराध में शामिल कई अन्य अपराधियों को बचा लिया गया। उन्होंने कहा कि वे न्याय के लिए ऊपरी अदालत में जाएंगे।
- **आजीवन कारावास की सजा पर सीएम ममता बोलीं, हमने मृत्युदंड की मांग की थी-** मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को दावा किया कि जांच का जिम्मा कोलकाता पुलिस से जबरन ले लिया गया। उन्होंने कहा कि यदि जांच का जिम्मा कोलकाता पुलिस के पास ही रहा होता, तो उसने निश्चित रूप से मौत की सजा सुनिश्चित की होती।

अतुल सुभाष का बेटा अपनी मां के साथ रहेगा

बेंगलुरु के टेक इंजीनियर अतुल सुभाष की आत्महत्या के बाद उनका चार साल का बेटा किसके साथ रहेगा इसको लेकर आज सुप्रीम कोर्ट ने फैसला किया है। अतुल सुभाष का चार साल का बेटा अपनी मां (अतुल सुभाष से अलग रहीं उनकी पत्नी) के पास रहेगा। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला किया। दरअसल, अतुल सुभाष की मौत के बाद उनकी मां ने अपने पोते को रखने की मांग की थी। वहीं, अतुल सुभाष से अलग रह रहीं उनकी पत्नी निकिता सिंघानिया ने अपने बेटे की कस्टडी मांगी थी।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 18 °c न्यूनतम 13°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ मंगलवार,21 जनवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

पटना में 2 दिवसीय अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों का सम्मेलन

- लोकसभा अध्यक्ष ने किया उद्घाटन

पटना (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को यहां 85वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन (एआईपीओसी) का उद्घाटन किया। बिहार में तीसरी बार आयोजित किए जा रहे दो दिवसीय सम्मेलन का विषय है- 'संविधान की 75वीं वर्षगांठ' संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने में संसद और राज्य

विधायी निकायों का योगदान। सम्मेलन के दौरान प्रतिभागी ''अधिक दक्षता, प्रभावशीलता और उत्पादकता के लिए हमारे विधायी निकायों में आधुनिक तकनीक को अपनाने पर विचार-विमर्श करेंगे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने कहा, ''यह तीसरी बार है जब बिहार लगभग 43 वर्षों के अंतराल के बाद इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। बिहार की धरती भारत की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और बौद्धिक विरासत का केंद्र मानी जाती है। इस धरती ने भगवान बुद्ध की करुणा, महावीर की अहिंसा और गुरु गोविंद सिंह जी के साहस को जन्म दिया है।

अजित पवार बोले-

सांप्रदायिकता फैलाने वालों को बर्दाश्त नहीं करेंगे, एनसीपी में शामिल नहीं होंगे दागी

जालना (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने आज जालना में राकांपा के जिला कार्यालय का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि वह ऐसे किसी भी व्यक्ति को बर्दाश्त नहीं करेंगे, जो समुदायों के बीच नफरत फैलाए और बांटने की राजनीति करें।

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी

(राकांपा) धर्मनिरपेक्ष राजनीति में भरोसा करती है और राज्य में सांप्रदायिकता फैलाने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र हमेशा प्रगतिशील विचार और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक रहा है। राकांपा एकता और धर्मनिरपेक्षता के लिए खड़ी है।

दागी या खराब छवि वाले लोग राकांपा में नहीं होंगे शामिल–जालना में राकांपा के जिला कार्यालय का उद्घाटन करते वक्त अजित पवार ने कहा, हम ऐसे किसी भी व्यक्ति को बर्दाश्त नहीं करेंगे जो विभिन्न समुदायों में नफरत फैलाए और बांटने की राजनीति करे। उन्होंने कहा कि राकांपा में खराब छवि वाले या दागी लोगों को शामिल नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, मैं पार्टी सदस्यों से आग्रह करता हूं कि वे हमारी पार्टी में दागी लोगों को शामिल न करें।

किसानों ने दिल्ली कूच टाला

पंधेर बोले- केंद्र सरकार 14 फरवरी से पहले मीटिंग करे, जो चंडीगढ़ नहीं दिल्ली में हो

पटियाला (एजेंसी)। हरियाणा-पंजाब के शंभू बॉर्डर से किसान आज दिल्ली कूच नहीं करेंगे। सोमवार को किसान मजदूर मोर्चा (केएमएम) के संयोजक सरवण सिंह पंधेर ने शंभू बॉर्डर पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि फिलहाल दिल्ली कूच टाल दिया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार 14 फरवरी से पहले मीटिंग करे। ये मीटिंग चंडीगढ़ की बजाए दिल्ली में होनी चाहिए। इससे पहले सुबह पंधेर ने कहा था कि दिल्ली कूच करेंगे। केंद्र फूट डालने की कोशिश में है। केंद्र ने किसानों को 14 फरवरी को चंडीगढ़ में बातचीत का न्योता दिया है।

केरल में 24 साल की महिला को फांसी की सजा

बॉयफ्रेंड को जहर देकर मारा था, अदालत बोली- ये रेयरेस्ट ऑफ रेयर केस है

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के तिरुवनंतपुरम की डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने सोमवार को 24 साल की एक युवती को फांसी की सजा सुनाई। युवती ने अक्टूबर 2022 में आयुर्वेदिक टॉनिक में जहर मिलाकर अपने बॉयफ्रेंड को पिलाकर उसकी हत्या कर दी थी। युवती की शादी कहीं और तय हो गई

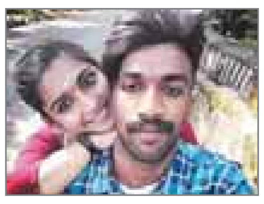

थी, इसलिए उसने बॉयफ्रेंड से पीछा छुड़ाने के लिए उसकी जान ले ली। उसके चाचा निर्मलाकुमारण नायर को हत्या में साथ देने और सबूत मिटाने का दोषी पाया गया गया, उसे 3 साल की सजा सुनाई गई। जबकि युवती की मां को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया।

पंजाब में दिल दहला देने वाला हादसा, एक झटके में गई 4 बेजुबानों की जान

अमृतसर (एजेंसी)। अमृतसर के थाना डी डिवीजन थाने के क्षेत्र लाहौरी गेट में सोमवार सुबह 4:15 बजे एक भयानक हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार दिल्ली नंबर की गाड़ी में 5 युवक सवार थे जो शराब के नशे में थे। सबसे पहले, इन कार सवारों ने वाल्मीकि मंदिर की दीवार में टक्कर मार दी और मंदिर की दीवार और गेट को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। इस घटना के दौरान कार सवार लोग तो मौके से भाग गए, लेकिन बेजुबान कुत्ते पर जमीन पर थे, वे करंट की चपेट में आ गए, जिस कारण 4 कुत्तों की मौत हो गई।

सैफ पर हमले का आरोपी बांग्लादेश में कुश्ती खिलाड़ी था

- पुलिस बोली- हमले के बाद बस स्टॉप पर सोया, ठाणे जाने से पहले कपड़े बदले

मुंबई (एजेंसी)। एक्टर सैफ अली खान पर हमले की जांच कर रही मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने सोमवार को बताया कि गिरफ्तार किया गया आरोपी बांग्लादेश में कुश्ती का

खिलाड़ी था। पुलिस ने रविवार को शरीफुल इस्लाम को इस केस में गिरफ्तार किया था। पूछताछ के बाद क्राइम ब्रांच ने कहा, शरीफुल जिला और नेशनल लेवल पर कुश्ती खेल चुका था। कुश्ती प्लेयर होने की वजह से शरीफुल सैफ पर भारी पड़ा। वारदात के बाद वो बस स्टैंड पर सोया। ठाणे जाने से पहले उसने कपड़े बदले। वो वर्ली के एक पब में काम करता था, जहां से उसे चोरी करने पर निकाला गया था। शरीफुल सितंबर में मुंबई आया था।

रोड-सेफ्टी उपायों पर राज्यों से जवाब मांगा, कहा-

10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों में इलेक्ट्रॉनिक इक्विपमेंट लगाने की जरूरत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों में रोड सेफ्टी उपाय और मोटर व्हीकल एक्ट के नियमों को लागू करने के मामले में सुनवाई की। जस्टिस अभय एस ओका और उज्जल भुइयां की बेंच ने नियमों को लेकर 23 राज्यों और 7 केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) से जवाब मांगा। बेंच ने कहा– 5 राज्यों, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल और केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली ने रिपोर्ट भेजी है। 23 राज्य और 7 केंद्र शासित प्रदेश ने रिपोर्ट नहीं दी है। राज्य सरकारों को एक्सीडेंट वाली स्पॉट, जंक्शन और 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लगाने की जरूरत है।

एआईएमआईएम कैंडिडेट ताहिर हुसैन पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा ऐसे लोगों को चुनाव ही नहीं लड़ने देना चाहिए...

नईदिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में प्रचार को लेकर औवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के कैंडिडेट ताहिर हुसैन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। उन्होंने सर्वोच्च कोर्ट से चुनाव प्रचार के लिए जमानत मांगी। हालांकि, कोर्ट ने ताहिर हुसैन को लेकर तल्ख

टिप्पणी की है। शीर्ष अदालत ने कहा कि ऐसे लोगों को चुनाव ही नहीं लड़ने देना चाहिए। ताहिर हुसैन दिल्ली दंगों के आरोपी हैं। उन्होंने मुस्तफाबाद विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। ताहिर हुसैन ने चुनाव प्रचार के लिए सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत की मांग की है। देश की सर्वोच्च अदालत ने सोमवार को दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर हुसैन की अंतरिम जमानत याचिका पर कड़ी आपत्ति जताई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे सभी लोगों को चुनाव लड़ने से रोक दिया जाना चाहिए, जो जेल में बंद हैं।

अमित शाह पर टिप्पणी मामला- राहुल पर केस नहीं चलेगा, सुप्रीम कोर्ट की रोक

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले में ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगा दी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने झारखंड सरकार और भाजपा नेता को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले झारखंड के चाईबासा में अपने एक भाषण के दौरान राहुल ने अमित शाह को हत्यारा बताया था।

प्रयागराज महाकुंभ में नहीं थम रहा श्रद्धालुओं का सैलाब

- अब तक 8.26 करोड़ श्रद्धालु कर चुके हैं स्नान
- स्वामी चिदानंद के शिविर में पहुँचे पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ,कहा राम की बात मानने में झिझक क्यों

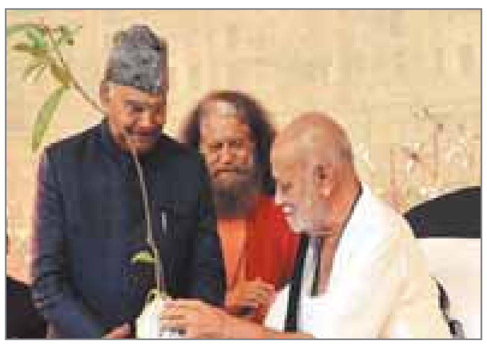

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शंकराचार्य समेत संत-महात्माओं के शिविर में पहुंचे। जहां उन्होंने सुविधाओं का जायजा लिया। साथ ही संतों से चर्चा भी की। संगम में आस्था की डुबकी जारी है। महाकुंभ में अब तक 8.26 करोड़ श्रद्धालुओं ने स्नान कर लिया है।

चिदानंद सरस्वती ने कहा– हम न बंटेंगे, न डरेंगे, न लड़ाएंगे – महाकुंभ में मोरारी बापू की कथा में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, पत्नी और बेटी के साथ शामिल हुए। कोविंद ने कहा– हम श्रीराम को मानते हैं तो उनकी बातों को मानने में झिझक क्यों होती है। स्वामी चिदानंद ने कहा– अब समय आ गया है कि हम न बंटेंगे, न बाटेंगे, न डरेंगे, न डराएंगे, न कटेंगे, न लड़ेंगे, न लड़ाएंगे।

अविनाश चंद्र

महाकुंभ में आग लगने की घटना पर डीजी फायर अविनाश चंद्र ने कहा, ... हम लोगों को आग से सचेत रहने के लिए जागरूक कर रहे हैं। हम राज्य सरकार के निर्देश पर काम कर रहे हैं...यहां पर 53 फायर स्टेशन बनाए गए हैं... 1400 फायरकर्मी यहां तैनात हैं...इस घटना की जांच का अधिकार पुलिस को है। स्थानीय पुलिस अधिकारी इस मामले की जांच कर रहे हैं।

महाकुंभ में आठवें दिन 38 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

महाकुंभ मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार बढ़ती जा रही है। रविवार को जहां 22 से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई थी, वहीं सोमवार को 38 लाख से अधिक श्रद्धालु संगमनगरी पहुंचे। वाहनों की भारी आवाजाही के चलते चारो तरफ जाम की स्थिति बन गई है।

नारी सशक्तिकरण का साक्षी बना महाकुंभ, जूना अखाड़े में प्रवेश के लिए दी गई दीक्षा

सनातन की शक्ति है महाकुंभ का श्रृंगार कहे जाने वाले 13 अखाड़े। महाकुम्भ के मौनी अमावस्या के अमृत स्नान के पहले इन

अखाड़ों में फिर नागा संन्यासियों बनाने का सिलसिला चल रहा है। बड़ी संख्या में अखाड़ों में नव प्रवेशी साधुओं को दीक्षा देने की। सनातन की शक्ति है महाकुम्भ का श्रृंगार कहे जाने वाले 13 अखाड़े।

एमपी में पहली बार दूसरे जिले में अनुकंपा नियुक्ति

विदिशा के 10 लोग भोपाल में पंचायत सचिव बने; ऐसी ही नियुक्ति हर जिपं में होगी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में पहली बार दूसरे जिले में पंचायतकर्मियों की अनुकंपा नियुक्ति हुई है। विदिशा के 10 युवा भोपाल में पंचायत सचिव बने हैं। ऐसी ही नियुक्ति अब प्रदेश की अन्य जिला पंचायत में होगी। अभी आधी से ज्यादा जिपं में पंचायत सचिवों के पद खाली है। सरकार ने पिछले साल पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में एक जिले से दूसरे जिले में अनुकंपा नियुक्ति देने का रास्ता साफ किया था।

21 जून 2024 को विभाग में अनुकंपा नियुक्ति के संबंध में गजट नोटिफिकेशन भी हो चुका है। इसके बाद प्रदेश की सभी जिपं ने रिक्त पद की जानकारी पंचायत राज संचालनालय को भेजी थी। यानी, जिन जिलों में पद रिक्त नहीं है और वहां अनुकंपा नियुक्ति दी जाना है तो ये दूसरी जिपं में भी हो सकेगी। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर समेत कई जिलों में पद रिक्त हैं। ऐसे में यहां पर अनुकंपा नियुक्तियां दी जा रही है।

पहले ऐसा होता था– पहले जिस जिले में पद खाली है, अनुकंपा नियुक्ति उसी जिले में होती थी। इससे अनुकंपा नियुक्ति लेने के लिए सालों तक युवा भटकते रहते थे। इससे उन्हें बेरोजगारी के दौर से भी गुजरना पड़ता था।

नियुक्ति देने वाली भोपाल पहली जिपं– सरकार के गजट नोटिफिकेशन के बाद किसी दूसरे जिले की अनुकंपा नियुक्ति देने वाली भोपाल जिला पंचायत पहली जिपं बना है। सीईओ ऋतुराज सिंह ने बताया कि भोपाल में कुल 11 युवाओं को अनुकंपा नियुक्ति दी जानी थी। इनमें से 10 को नियुक्ति देकर ग्राम पंचायतों में सचिव के पद पर नियुक्त किया है। भोपाल में सबसे पहली अनुकंपा नियुक्ति की प्रक्रिया की गई है।

इन्हें मिली नियुक्ति– जिपं अध्यक्ष रामकुंवर गुर्जर, सीईओ सिंह और सदस्यों की मौजूदगी में 10 युवाओं को नियुक्ति संबंधी आदेश दिए गए। इनमें रूद्रेश रघुवंशी, प्रदीप कुमार रघुवंशी, अनुपमा तिवारी, अरबाज खान, शैलेंद्र बघेल, मनोज कुमार शर्मा, नेहा गुप्ता, अभय बघेल, अनुराधा शर्मा और प्रशांत बघेल शामिल हैं। इस दौरान सीईओ सिंह ने युवाओं से बात भी की। इस मौके पर जनप्रतिनिधि दीपक गुर्जर, अनिल हाड़ा, सुरेश सिंह राजपूत, सहायक परियोजना अधिकारी संदीप कुमार श्रीवास्तव आदि भी मौजूद थे।

मां ने बेटे और बेटी के साथ लगाई फांसी

फंदे से गिरने से बची ढाई माह की मासूम की जान; रोने की आवाज सुनकर पहुंचे लोग

महू (नप्र)। महू में एक महिला ने अपने 4 साल के बेटे और ढाई माह की बेटी के साथ फांसी लगा ली। ढाई माह की बेटी फंदे से गिर गई, जिससे उसकी जान बच गई। लेकिन, मां-बेटे की मौत हो गई। बच्ची काफी देर तक बिलखती रही। उसकी रोने की आवाज सुनकर पड़ोसी पहुंचे तब मामले का खुलासा हुआ। घटना मांबडगोंदा थाना क्षेत्र में रविवार शाम करीब 5 बजे की है। महिला का नाम डिंपल गिरवाल (28) है। उसका एक बेटा काव्यांश (4) और ढाई माह की बेटी है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल ले जाया गया। एसआई जगदीश डावर ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

फंदे में स्वेटर अटकने से बची मासूम– पुलिस के मुताबिक महिला ने एक फंदा बच्चों के झूले पर बांधा। इस पर बेटे काव्यांश को लटकाया। वहीं दूसरा फंदा बनाकर अपनी बेटी के गले में डाला। हालांकि बच्ची फंदे में स्वेटर के अटकने से बच गई। उसके रोने की आवाज सुनकर पड़ोसी पहुंचे और खिड़की से झांका तो मां-बेटे फंदे पर लटके नजर आए।

बकरी से होगी बरकत, गरीबी को कहेंगे 'बाय-बाय'?

नीतीश सरकार करेगी पैसों से मदद, ऐसा मिलेगा लाभ

बांका (एजेंसी)। बांका जिले में गरीब परिवारों की आर्थिक स्थिति सुधारने और उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने के लिए बकरी पालन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस योजना के तहत, पशुपालन विभाग जरूरतमंद परिवारों को अनुदानित दर पर बकरियां उपलब्ध करा रहा है। हालांकि, इस सुविधा का लाभ वही परिवार उठा सकते हैं, जिनका नाम बीपीएल (गरीबी रेखा से नीचे) सूची में दर्ज है।

बकरी पालन में कितना मिलेगा अनुदान?

योजना के अनुसार, सामान्य वर्ग के बीपीएल परिवारों को लगभग 12,000 रुपये तक का अनुदान मिलेगा, जिससे वे तीन बकरियां खरीद सकते हैं। वहीं, अनुसूचित जाति और जनजाति (एससी–एसटी) के लाभुकों को 13,500 रुपये तक का अनुदान दिया जाएगा। इस साल जिले में 21 सामान्य वर्ग के बीपीएल लाभुकों और 107 एससी–एसटी लाभुकों को इस योजना का लाभ दिया जाएगा।

महाकुंभ विशेष

सिर्फ संतों से दक्षिणा लेते हैं जंगम साधु

साधुओं ने बताया, भगवान शिव की जांघ से जन्म हुआ

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ नगर में आए अखाड़ों में साधुओं का एक जत्था निरंतर भजन-कीर्तन करते हुए पहुंचता है। हाथों में ढफली, मंजीरा, ढोलक...एकदम अलग अंदाज। इनके भजन-कीर्तन मनोरंजन के लिए नहीं होते, कल्पवास में बैठे साधुओं से भिक्षा मांगने के लिए होते हैं। इन साधुओं की पहचान है- जोगी जंगम साधु।

सिर पर मोरपंख, शिव का नाम, बिंदी और कानों में पार्वती के कुंडल। इसी श्रृंगार के साथ ये साधु-संतों के पास पहुंचते हैं। ये बस सुर साधक हैं, जो अपने ईष्ट और उसके उपासक अखाड़े की महिमा का गान करते

हैं। ऐसे में इन्हें अखाड़ों के सिंगर भी कहा जाता है।

विजेंद्र जंगम बताते हैं- धार्मिक मान्यता है कि पार्वती से शादी के बाद जब शिव ने भगवान विष्णु और ब्रह्मा को दान देना चाहा, तो उन्होंने दान लेने से मना कर दिया। इससे नाराज होकर भगवान शिव ने क्रोध में अपनी जांघ पीट दी। इससे साधुओं का एक संप्रदाय पैदा हुआ। इसका नाम पड़ा- जंगम साधु अर्थात जांघ से जन्मा साधु।

यही जंगम साधु आज भी संन्यासी अखाड़ों के पास जाकर शिव के कथा-गीत सुनाते हैं। उनसे मिले दान से अपनी जीविका चलाते हैं।

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल रीवा उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं का बन रहा है केंद्र

● लीडलैस पेसमेकर का सफलतापूर्वक किया गया इंप्लांट ● उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने चिकित्सकीय टीम को दी बधाई

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। सरकार की प्राथमिकता है कि दूरस्थ इलाकों में रहने वाले लोगों को भी बड़े शहरों जैसी उन्नत चिकित्सा सुविधाएं मिलें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा है कि रीवा का सुपर स्पेशलिटी अस्पताल न केवल विंध्य क्षेत्र, बल्कि पूरे मध्यप्रदेश के लिए उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं का केंद्र बन रहा है। अस्पताल की चिकित्सकीय टीम ने यह साबित कर दिया है कि अब ग्रामीण और दूरस्थ इलाकों में भी जटिलतम चिकित्सा प्रक्रियाएं संभव हैं। लीडलैस पेसमेकर जैसे अत्याधुनिक उपकरणों का उपयोग हृदय रोगियों के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है, और यह प्रक्रिया प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र में नई ऊंचाइयां स्थापित करने का प्रतीक है।

रीवा स्थित सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग ने चिकित्सा क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। सतना जिले की 62 वर्षीय महिला मरीज को, जो पूर्ण हृदय अवरोध (हृदय की धड़कन 30) से पीड़ित थीं, अत्याधुनिक लीडलैस पेसमेकर का सफलतापूर्वक इंप्लांट कर नई जिंदगी प्रदान की गई। यह प्रक्रिया विश्वभर में हृदय रोगियों के लिए सबसे जटिल मानी जाती है और इसे सफलतापूर्वक संपन्न करना सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, रीवा के लिए गौरव का विषय है। रीवा के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में यह प्रक्रिया डॉ. एस.के. त्रिपाठी और उनकी टीम ने तीन घंटे के कठिन ऑपरेशन के बाद सफलतापूर्वक पूरी की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए टीम को बधाई दी और उनकी मेहनत और प्रतिबद्धता की सराहना की।

लीडलैस पेसमेकर उन मरीजों के लिए उपयोगी, जिनके लिए पारंपरिक पेसमेकर नहीं हैं प्रभावी- लीडलैस पेसमेकर आधुनिक चिकित्सा तकनीक का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह एक अत्यंत सूक्ष्म डिवाइस है, जिसका आकार एक कैप्सूल जितना होता है। इसे सीधे हृदय में प्रत्यारोपित किया जाता है, जिससे पारंपरिक पेसमेकर की तुलना में यह ज्यादा प्रभावी और सुरक्षित साबित होती है। इसमें कोई वायर (लीड) नहीं होती, जिससे संक्रमण का खतरा कम हो जाता है। साथ ही, इसके इंप्लांट के बाद मरीज को कम परेशानी और अधिक लंबे समय तक राहत मिलती है। यह तकनीक विशेष रूप से उन मरीजों के लिए उपयोगी है, जिनके लिए पारंपरिक पेसमेकर प्रभावी नहीं होते।

म.प्र. मदरसा बोर्ड की कक्षा 10वीं-12वीं उर्दू माध्यम के परीक्षा आवेदन 31 मार्च तक

आवेदन की प्रक्रिया 20 जनवरी से हुई शुरू

भोपाल (नप्र)। म.प्र. मदरसा बोर्ड की सत्र 2025 में आयोजित होने वाली कक्षा 10वीं-12वीं उर्दू माध्यम की परीक्षाओं के आवेदन-पत्र भरने की सुविधा अधिकृत अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से 20 जनवरी 2025 से 31 मार्च 2025 तक एम.पी. ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध रहेगी। आवेदन-पत्रों में त्रुटि सुधार 10 अप्रैल तक किया जा सकता है। ऑनलाइन आवेदन के पश्चात मूल दस्तावेज 15 अप्रैल 2025 तक भेजे जाना अनिवार्य है। इन परीक्षाओं को भारत सरकार एवं राज्य शासन से मान्यता एवं समकक्षता प्राप्त है। अधिकृत अध्ययन केन्द्रों एवं छात्रों को निर्देशित किया जाता है कि आवेदन-पत्र भरने से पूर्व बोर्ड द्वारा जारी दिशा निर्देशों का भलिभांति अवलोकन कर लें, जिससे की आवेदन-पत्रों में किसी प्रकार की त्रुटि न हो।

एमपी में इस सप्ताह शीतलहर से राहत

भोपाल-इंदौर में धूप खिली, पारा उछला; ग्वालियर, चंबल-रीवा में अगले 3 दिन कोहरे का अलर्ट

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में इस सप्ताह शीतलहर नहीं चलेगी। अगले 3 दिन प्रदेश के ग्वालियर, चंबल और रीवा संभाग में मध्यम से घने कोहरे का अलर्ट है। पूर्वी हिस्से यानी जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग में रात के टेम्प्रेचर में गिरावट जारी रहेगी।

आज सोमवार को भोपाल-इंदौर में धूप खिली हुई थी। सर्दी से भी राहत है। हालांकि, सुबह ग्वालियर, दतिया, श्योपुर, मुरैना, भिंड, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, सतना, मैहर, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में कोहरा छाया रहा। प्रदेश के जिन शहरों में रात का तापमान 8 डिग्री और दिन में 22 डिग्री सेल्सियस से कम है, वहां मौसम विभाग ने स्कूलों की छुट्टी रखने का सुझाव दिया है। इसके अलावा अस्पतालों में इलाज की बेहतर व्यवस्था और मजदूरों को रात व सुबह के समय काम करने पर रोक लगाने के सुझाव भी दिए हैं।

बर्फीली हवा की वजह से ठंड का असर- मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, बर्फीली हवा की वजह से प्रदेश में ठंड का असर है। खासकर पूर्वी हिस्से में रात के तापमान में ज्यादा गिरावट हो रही है। रविवार को जेट स्ट्रीम हवा 240 किमी प्रतिघंटा से चली। सोमवार को भी ऐसा ही मौसम बना रहने का अनुमान है।

अगले 2 दिन ऐसा रहेगा मौसम

21 जनवरीः ग्वालियर, दतिया, श्योपुर, मुरैना, भिंड, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, सतना, मैहर, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में कोहरा रहेगा।

22 जनवरीः ग्वालियर, मुरैना, भिंड और दतिया में कोहरा छाया रहेगा।

नीट पीजी काउंसलिंग में शामिल 48 डॉक्टरों पर एफआईआर होगी

एनआरआई कोटे के लिए फर्जी दस्तावेज लगाए, सीट मिलने पर भी 41 ने नहीं लिया एडमिशन

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के 8 निजी मेडिकल कॉलेजों में एनआरआई कोटे में फर्जीवाड़े के खुलासे के बाद बड़ा एक्शन हुआ है। नीट पीजी काउंसलिंग में फर्जी मूल निवासी प्रमाण पत्र से शामिल हुए 48 डॉक्टर्स के खिलाफ काउंसलिंग कमेटी ने भोपाल के अरेरा हिल्स पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

विदिशा मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. अतुल वार्ष्णेय ने इन सभी डॉक्टर्स पर एफआईआर दर्ज कराने का आवेदन दिया है। डॉ. वार्ष्णेय नीट पीजी काउंसलिंग कमेटी के सदस्य हैं। उन्होंने कमेटी अध्यक्ष व डीएमई डॉ. एके श्रीवास्तव के प्रतिनिधि के तौर पर शिकायती आवेदन दिया है।

दरअसल, इन 48 डॉक्टर्स में से 41 को पहले चरण की काउंसलिंग में 8 जनवरी को एनआरआई कोटे की सीटें अलॉट हुई थीं। हालांकि, फर्जीवाड़े के खुलासे के बाद इन्होंने अब तक आवंटित कॉलेज में प्रवेश नहीं लिया है।

रजिस्ट्रेशन कराने वाले सभी 222 अभ्यर्थियों की जांच की गई- काउंसलिंग कमेटी के अध्यक्ष व डीएमई डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि नीट पीजी काउंसलिंग के पहले चरण में एनआरआई कोटे से सीट पाने वाले डॉ. राहुल सिंह ने लिखित में बिना रजिस्ट्रेशन सीट अलॉट होने की शिकायत की थी। इस पर कमेटी ने एनआरआई कोटे में रजिस्ट्रेशन कराने वाले सभी 222 अभ्यर्थियों की जांच की थी।

इनमें से 43 के मप्र मूल निवासी प्रमाण पत्र और दूसरे दस्तावेजों में गड़बड़ी मिली है यानी 21 प्रतिशत डॉक्टरों के दस्तावेज फर्जी हैं।

21 जनवरी तक स्पष्टीकरण देना होगा, नहीं तो रजिस्ट्रेशन रद्द होगा- डीएमई श्रीवास्तव ने बताया कि ये सभी 48 उम्मीदवार अपने दस्तावेजों के साथ भोपाल के सतपुड़ा भवन स्थित दफ्तर में पक्ष रख सकते हैं। तय समय में दस्तावेजों के साथ स्पष्टीकरण सबमिट नहीं करने पर संबंधित डॉक्टर का काउंसलिंग रजिस्ट्रेशन 21 जनवरी को शाम 5 बजे के बाद रद्द कर दिया जाएगा। साथ ही उसे नीट पीजी काउंसलिंग के लिए डी-बार कर दिया जाएगा।

सेकंड काउंसलिंग के अलॉटमेंट से पहले दो और डॉक्टर पकड़ाए- डीएमई श्रीवास्तव के अनुसार, एनआरआई कोटे की सेकेंड राउंड काउंसलिंग के लिए 111 डॉक्टर्स ने रजिस्ट्रेशन कराया है। इनमें से 2 उम्मीदवारों के मूल निवासी प्रमाण पत्र शुरुआती जांच में फर्जी निकले हैं। इनकी भी शिकायत कराई गई है।

इलेक्ट्रीशियन की करंट लगने से मौत

टीवी का केबल जोड़ते समय हुआ हादसा, पुलिस जांच में जुटी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के गांधी नगर इलाके में करंट लगने से एक इलेक्ट्रीशियन की मौत हो गई। वह अपने रिश्तेदार के साथ टीवी का टूटा हुआ तार रिपेयर कर रहा था। इस दौरान करंट लगने से वह बेसुध हो गया।

परिजनों ने उसे पहले एक प्राइवेट अस्पताल और फिर हमीदिया अस्पताल पहुंचाया। घटना रविवार शाम की है। इलाज के दौरान सोमवार तड़के उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। रमेश विश्वकर्मा (42) पुत्र वृंदावन विश्वकर्मा, आरजीवी के सामने गांधी नगर में रहते थे और लाल घाटी स्थित एक प्राइवेट हॉस्पिटल में इलेक्ट्रीशियन की नौकरी करते थे। उनके रिश्तेदार कृष्णकांत ने बताया कि रविवार को रमेश अपने फूफा के साथ घर में रखी टीवी की केबल को जोड़ने का काम कर रहे थे। उन्होंने तार को सॉकेट में डालकर स्विच ऑन कर दिया। उस समय तार रमेश के हाथ में था, जिसमें एक कट लगा हुआ था। इससे करंट लगने के कारण वह बेसुध होकर जमीन पर गिर गए। आनन-फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया। वहां से हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

रोजगार की तलाश में भोपाल आए थे- रमेश छतरपुर जिले के धर्मपुरा गांव के रहने वाले थे। वह 6 साल पहले रोजगार की तलाश में भोपाल आए थे। यहां एक प्राइवेट अस्पताल में नौकरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे थे। उनका एक इकलौता बेटा कृष्णा है। सोमवार को पोस्टमॉर्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया।

अंडरग्राउंड वाटर टैंक पर रखा था टीन का टुकड़ा

पैर रखते ही टैंक में गिरी 3 साल की मासूम, मौत; बातचीत में व्यस्त थे परिजन

भोपाल (नप्र)। भोपाल में मौसी के घर बने अंडरग्राउंड वाटर टैंक में डूबने से मासूम अनिका की मौत हो गई। सोमवार को शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया। रिश्तेदारों ने बताया कि, ससुराल पक्ष के लोग तीन दिन से बाहर गए थे और बच्ची की मां अकेले घर में बोर हो रही थी। संक्रांति के मौके पर वह मायके नहीं जा सकी थीं, इसलिए रविवार को नानी के घर जाने का फैसला किया। अनिका, उसके पिता, मां और भाई सभी दोपहर के समय नानी के घर पहुंचे। दोपहर का खाना खाने के बाद परिवार बातचीत में व्यस्त हो गया, जो देर शाम तक चलता रहा।

इस दौरान खेलते-खेलते अनिका आंगन में चली गई। आंगन में अंडरग्राउंड वाटर टैंक था, जिसे ढकने के लिए ऊपर एक जंग लगा टीन का टुकड़ा रखा गया था। अनिका ने जैसे ही उस पर कदम रखा, वह टैंक में गिर गई। कुछ ही मिनटों में उसकी मौत हो गई। परिवार बातचीत में व्यस्त था और किसी ने उसके गिरने की आवाज नहीं सुनी। कुछ समय बाद जब अनिका नजर नहीं आई तो उसकी मां और परिजनों ने उसे खोजना शुरू किया। घबराए मामा ने घर के बाहर और आसपास के इलाके में बच्ची को तलाशा। इसी दौरान किसी की नजर खुले हुए वाटर टैंक पर पड़ी। टैंक के अंदर मोबाइल की टॉर्च से देखा गया तो अनिका का शव पानी में तैरता नजर आया।

एटीएस कस्टडी में मरने वाले का साइबर ठगों से कनेक्शन

फर्जी खाते करता था ऑपरेट, लोन-योजना के नाम पर ऐंठे रुपए अरब देशों में ट्रांसफर होते थे

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश की स्टेट साइबर पुलिस ने 14 जनवरी को 12 साइबर ठगों को गिरफ्तार किया था। उन्हें कोर्ट में पेश कर दो सप्ताह के रिमांड में हुई पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। सतना निवासी आरोपी अनजर हुसैन ने दिल्ली, गुड़गांव, उत्तर प्रदेश, रायपुर, हरियाणा, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल सहित देश के कई राज्यों में अपनी गैंग फैलाई हुई है।

सूत्रों की मानें तो गुरुग्राम में एटीएस की कस्टडी में जान गंवाने वाले हिमांशु का इसी गिरोह से ताल्लुक था। वह गिरोह के लिए म्यूल अकाउंट ऑपरेट करने का काम करता था।

ऐसे हुआ गिरोह का खुलासा- मार्च 2024 में सतना निवासी सुरक्षा गार्ड केके गौतम अपने एक दोस्त की शॉप पर पहुंचा। वहां उसे पता चला कि आधार कार्ड के जरिए भी बैंक बैलेंस पता किया जा सकता है। गौतम ने अपना आधार नंबर दोस्त को दिया। उसने चेक किया तो जानकारी मिली कि खाते में 1 लाख 9 हजार रुपए जमा थे।

गौतम ने अपने दोस्त को बताया कि उसके खाते में कभी इतने पैसे जमा नहीं थे। गौतम अपने खाते की जानकारी लेकर सतना के इंडसइंड बैंक पहुंचा और मैनेजर को जानकारी दी। सतना के ही आधा दर्जन से अधिक लोगों के खाते में भी करोड़ों रुपए का ट्रांसफर यूपीआई के जरिए होने की जानकारी सामने आई।

ठगी की राशि दुबई में कर देते थे ट्रांसफर- गैंग के सदस्य ग्रामीणों को चंद रुपए का लालच देकर उनका बैंक खाता किराये पर भी लेते, फिर इसके जरिए न सिर्फ देश बल्कि दुबई में भी करोड़ों रुपए का ट्रांजेक्शन करते थे। हालांकि इस गिरोह का सरगना दिल्ली में बैठे एक व्यक्ति को बताया जा रहा है, जिसकी तलाश जारी है। स्टेट साइबर सेल का मानना है कि, इस गिरोह में सैकड़ों लोग हो सकते हैं।

लोन और सरकारी योजना के नाम पर ठगी

गैंग के एक्टिव मैंबर्स लोन दिलाने, सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का झांसा देकर लोगों से दस्तावेज लिया करते थे। फरेट एडिट कर इन दस्तावेजों के इस्तेमाल से फर्जी बैंक अकाउंट खोल लेते थे, उन्हीं खातों में साइबर ठगी की रकम पहुंचती थी। उसके बाद यूपीआई के इस्तेमाल से खातों से ठगी की रकम अरब देशों में ट्रांसफर की जाती थी।

बैंक अधिकारी, कर्मचारी इन खातों में करोड़ों रुपए आने के बाद भी पुलिस को सूचना नहीं देते थे। गैंग के सदस्य इसके एवज में बैंक कर्मचारियों को कमिशन दिया करते थे। साइबर पुलिस आरोपियों के बयानों की तस्दीक कर रही है। नेक्सिस से जुड़े कई अन्य लोगों की भी गिरफ्तारी की जा सकती है।

आरपीएफ जवान ने बचाई 2 साल की मासूम की जान

नीले पड़ने लगे थे होंठ, अकड़ने लगा था शरीर, सरकारी गाड़ी से 7 मिनट में पहुंचाया अस्पताल

भोपाल (नप्र)। भोपाल रेलवे स्टेशन में तैनात आरपीएफ सुरक्षाकर्मी ने अपनी सतर्कता और मानवीयता से एक मासूम बच्ची आयशा की जान बचाई। घटना सुबह 9.30 बजे की है। जब ट्रेन संख्या 12537 भोपाल स्टेशन से रवाना होने के बाद प्लेटफार्म से निकल रही थी। जैसे ही ट्रेन आगे बढ़ी, अचानक एसीपी (आपातकालीन ब्रेक) लगने की सूचना मिली। सुरक्षाकर्मी ने तुरंत घटना स्थल पर पहुंचकर देखा कि गार्ड से लगे जनरल कोच में हड़कंप मचा हुआ था। कोच में एक महिला जोर-जोर से चीख रही थी और मदद के लिए पुकार रही थी, 'मेरी बच्ची को बचा लो।' इसी बीच आरपीएफ जवान विजय कौशल कोच में पहुंचे।

रेलवे की सरकारी गाड़ी से पहुंचाया अस्पताल- विजय ने महिला की गोद से बच्ची को लिया, जो बेहोश अवस्था में थी। तुरंत यात्रियों से पानी मंगवाकर बच्ची के मुंह पर पानी डाला, उसकी आंखें मली, हाथ-पैर रगड़े और सिर दबाया। कुछ ही देर में बच्ची को हल्का होश आ गया। बच्ची के माता-पिता घबराए हुए थे और रो रहे थे। सुरक्षाकर्मी ने तुरंत बच्ची को अपनी गोद में लिया और प्लेटफार्म नंबर एक पर पहुंचे, जहां एसआईपीएफ संध्या चौधरी ने बच्ची की हालत देखकर अस्पताल ले जाने की सलाह दी। गार्ड लॉबी के ड्राइवर हैदर ने स्थिति को समझते हुए अपनी सरकारी गाड़ी में बच्ची और उसके माता-पिता को बैठाकर नजदीकी आर.आर. अस्पताल, पुष्पा नगर, भोपाल पहुंचाया। अस्पताल में डॉ. सुरेश कुमार ने बच्ची का तुरंत उपचार शुरू किया। बच्ची की स्थिति में सुधार आने के बाद सुरक्षाकर्मी अपनी ड्यूटी पर वापस लौट आया।

बच्ची के पिता ने कहा...- बच्ची के पिता, अब्दुल बाकिर (पिता सत्तार खान), निवासी घुर्रा तहसील जोरा, जिला मुरैना (म.प्र.) ने सुरक्षाकर्मी और रेलवे प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि वह भोपाल से मुरैना की यात्रा कर रहे थे, यहां उनका ससुराल है, जहां वह परिजनों से मिलने आए थे। बाकिर ने बताया कि 18 जनवरी की रात अस्पताल में डॉक्टर्स ने आयशा की छुट्टी की, आयशा के होंट उस समय नीले पड़ने लगे थे, शरीर अकड़ने लगा था। हम लोग बहुत घबरा गए थे। फिर वह पुलिस वाले भैया आए और उन्होंने हमारी बेटी को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। मुझे लगता है कि अस्पताल दो किमी दूर था, हमें 5 से 7 मिनट लगे होंगे, हम मुरैना पहुंच गए हैं, आयशा को डॉक्टर्स ने निमोनिया बताया है। कहीं न कहीं निमोनिया की वीकनेस कारण आयशा के साथ ऐसा हुआ था।

बच्ची की हालत स्थिर- अनिल कुमार, पोस्ट प्रभारी, भोपाल स्टेशन आरपीएफ ने बताया कि, भोपाल स्टेशन पर 16 जनवरी सुबह करीब 10:45 बजे आरपीएफ जवान ने जनरल कोच में बच्ची को अटेंड किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए बच्ची को तुरंत ही अस्पताल भेजा गया। बच्ची के अभिभावकों से बात करने पर पता चला बच्ची फिलहाल स्वस्थ है।

म.प्र.कुर्मी समाज जिला एवं महिला इकाई भोपाल की ओर से नववर्ष,पिकनिक का आयोजन किया गया

भोपाल। 19 जनवरी को संरक्षक श्री एल,पी ,पटेल जी एवं श्री मती प्रीति कमलेश्वर पटेल जी, श्री राम खेलामन पटेल जी पूर्व मंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष मध्य प्रदेश कुर्मी क्षत्रिय समाज की अध्यक्षता ,एवं मध्य प्रदेश कुर्मी समाज जिला एवं महिला इकाई भोपाल की ओर से नव वर्ष 2025 नव वर्ष मिलन एवं पिकनिक आयोजन का कार्यक्रम 19 जनवरी भोपाल में सफल रूप से संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में लगभग 500 परिवारों के साथ अपेक्षा अनुसार आमंत्रित सामाजिक बंधु कार्यक्रम में उपस्थिति हुए एवं अलग-अलग फिरको में बंटे हुए पाटीदार, लोहानी कुनबी, एवं बिहारी कुर्मी एकता के महासचिव एवं अध्यक्षों को भी अध्यक्ष द्वारा पिकनिक में आने हेतु आमंत्रित किया गया था,उन सभी फिरको की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में खेलकूद,रस्साकसी, कुर्सी रैश एवं अन्य बच्चों के कार्यक्रम का आयोजन के,अंत में विजेताओं को पुरस्कार वितरित किया है ।

वरुण पटेल इंफ्राटेक कंपनी की ओर से एवं कुलपति श्री मती प्रीति पटेल जी के सौजन्य से पुरस्कार वितरित किया गया, उक्त कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के राकेश केयर जी ब्लॉक अध्यक्ष के साथ मध्य प्रदेश के कई जिलों के गणमान्य नागरिक उपस्थिति थे सभी के अथक प्रयास से कार्य क्रम पूर्ण रूपेण सफल रहा एवं सभी कुर्मी इकाई के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ,प्रदेश ,जिला इकाई के सभी सदस्यों की उपस्थिति सराहनीय रही।

अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे इसके बाद जिला महासचिव इंजीनियर बी एस पटेल द्वारा कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की गई, साथ ही वर्ष 2024, 2025 के परिवार परिचय की तैयारी हेतु रूप रेखा तैयार करने की घोषणा की गई।

संपादकीय

राष्ट्रपति ट्रंप से उम्मीदें

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दुनिया के सबसे ताकतवर अमेरिका के राष्ट्रपति का दूसरी बार पद ग्रहण करने के बाद ये कयास लगाए जा रहे हैं कि दूसरी पारी में उनका रवैया विभिन्न मुद्दों पर क्या होगा? खासकर भारत के संदर्भ में। यह इसलिए भी अहम है, क्योंकि डोनाल्ड को बहुत ही 'अनप्रेडिक्टेबल' नेता भी कहा जाता है। वो कब क्या कहे और कर बैठें, इसका ठीक ठीक अनुमान लगाना कठिन है। दूसरे, अमेरिका के राष्ट्रपति की सोच और नीतियां समूची दुनिया पर गहरा असर डालती हैं। ट्रंप ने कार्यभार ग्रहण करने के पहले तक कई ऐसी बातें कहीं हैं, जिनको लेकर आश्वस्त और आशंका दोनो तरह का वातावरण बना है। हालांकि ट्रंप के पहले कार्यकाल की तुलना में वैश्विक परिदृश्य काफी बदला हुआ है। ऐसे में ट्रंप 'अमेरिका फर्स्ट' को ध्यान में रखते हुए अपनी नीतियां लागू करेंगे, लेकिन उन्हें अपने दोस्त और दुश्मन के बीच स्पष्ट भेद करना होगा। क्योंकि बदले वक्त में चुनौतियां भी बदली हैं। जहां तक भारत का सवाल है तो यह माना जा रहा है कि ट्रंप हमारे लिए शुभ ही साबित होंगे। ट्रंप की कोर टीम में कुछ भारतीय भी शामिल हैं। यह भी उम्मीद की जा रही है कि ट्रंप का चीन के प्रति कड़ा रूख भारत के लिए मददगार हो सकता है। इसी के साथ यह आशंका भी जुड़ी है कि ट्रंप अगर अमेरिकी आयात पर टैरिफ बढ़ा देंगे तो भारत के निर्यात पर विपरीत असर पड़ेगा। इससे हमारी अर्थव्यवस्था की ग्रोथ भी प्रभावित होगी। ट्रंप चीन के खिलाफ ऐसा कदम जरूर उठाएंगे, ऐसा माना जा रहा है। इसी तरह ट्रंप टेस्ला को भारत में कर रियायत के लिए दबाव डाल सकते हैं। यह मुद्दा पेचीदा है, क्योंकि आज भारतीय वायु सेना को पांचवी पीढ़ी के फाइटर विमानों की सख्त जरूरत है। हम अमेरिका से अत्याधुनिक एफ 35 विमान लेने पर विचार कर रहे हैं तथा ऐसे विमानों की प्रौद्योगिकी भी हस्तांतरित करना चाहते हैं। लेकिन यह तभी संभव है, जब ट्रंप का भारत के प्रति रवैया उदार हो। अमेरिकी प्रशासन और ट्रंप यह अच्छी तरह से जानते हैं कि चीन का मुकाबला करने के लिए अमेरिका को भारत की जरूरत है। ऐसे में भारत को नाराज करने वाला कोई कदम ट्रंप उठाएंगे, ऐसा लगता नहीं है। इसके अलावा वैश्विक शांति का मुद्दा बहुत बड़ा है। ट्रंप के कार्यभार ग्रहण करने से ठीक पहले मध्य पूर्व में इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम एक अच्छी शुरूआत है। ट्रंप ने कहा है कि मैंने तीसरा विश्व युद्ध नहीं होने दूंगा। इसका अर्थ यह है कि वो रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से जारी युद्ध को भी रूकवा सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो दुनिया में शांति और वैश्विक अर्थ व्यवस्था के लिए भी यह सुखकर होगा। इसके अलावा अलग फिलीस्तीन राष्ट्र का भविष्य क्या होगा, यह भी ट्रंप की नीतियों पर निर्भर करता है। क्या इजराइल अलग फिलीस्तीन राष्ट्र को स्वीकार करेगा? क्या अमेरिका इसके लिए इजराइल पर दबाव बना पाएगा? इसी तरह भारत, पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान के बीच संतुलन बनाना अमेरिकी रणनीति के लिए महत्वपूर्ण है। वैसे ट्रंप क्या क्या करेंगे, यह यकीनी तौर पर कोई नहीं कह सकता। अपना कार्यभार ग्रहण करने से पहले डोनाल्ड ट्रंप ने खुद की क्रिप्टोकरेंसी लॉन्च कर दी, जिसका मार्केट कैप तेज़ी से बढ़ते हुए कई बिलियन डॉलर पहुंच गया है। इस क्रिप्टोकरेंसी का नाम 'डॉलरट्रंप' रखा गया है, जिसे ट्रंप की सहयोगी कंपनी सीआईसी डिजिटल एलएलसी लेकर आई है। इसके लिए ट्रंप की आलोचना भी हो रही है। शपथ ग्रहण से पहले ट्रंप ने अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डी.सी. में एक बड़ी रैली की, जिसमें उन्होंने वादा किया कि वे बाइडेन प्रशासन के हर 'मूर्खतापूर्ण' आदेश को रद्द कर देंगे।

दिल्ली : एक पूर्व सीएम के सामने दो पूर्व सीएम के बेटे

दिल्ली के चुनावी घमासान में परिवारवाद को लेकर चाहे जितनी बातें होती रही हों, लेकिन जब सीट देने की बात आई तो सियासी दल इससे दूरी नहीं बना पाए। चुनाव में किसी भी कीमत पर सीट जीतने के लिए दमदार नेताओं के बेटे या पत्नी को ही आगे किया गया। यहां तक कि चुनाव प्रचार की मुहिम में भी कई सियासी दिग्गजों के परिजन स्टार प्रचारकों के तौर पर सामने आए हैं। पूर्व सांसद विधायक ही नहीं वर्तमान विधायकों के परिजनों पर भी सियासी पार्टियों ने दांव खेला है।

राजनीति

वेद विलास उनियाल

(वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक)

दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) कांग्रेस और बीजेपी में त्रिकोणीय संघर्ष होने वाला है। लेकिन, दस सीटें ऐसी है जहां नेताओं के परिजन चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें तीन सीटों पर तो पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटे ताल ठोककर चुनाव मैदान में उतरे हैं। इनमें एक सीट नई दिल्ली की ऐसी हैं जहां एक पूर्व मुख्यमंत्री को उनकी ही सीट पर घेरने के लिए दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटों को दो अलग-अलग दल ने चुनाव मैदान में उतारा है। एक सीट पर विधायक के मकोका के मामले में जेल होने से उनकी पत्नी को टिकट दिया गया। दिल्ली चुनाव में टिकटों के लिए काफी जोर आजमाइश हुई। अलग-अलग चुनाव लड़ने की स्थिति में 'आप' और कांग्रेस ने सभी सीटों पर प्रत्याशियों को खड़ा किया। उधर बीजेपी में भी सीटों को लेकर जमकर संघर्ष हुआ है। आखिरी क्षणों तक टिकटों को लेकर खींचतान होती रही है। बीजेपी ने 68 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं साथ ही एक-एक सीट लोजपा और जेडीयू को दी है।

सियासी दल बेशक परिवारवाद के खिलाफ आवाज उठाते रहे हैं। खासकर बीजेपी के शीर्ष नेताओं ने अभी अपने मंचों पर इस मुद्दे को काफी तूल दिया है। बीजेपी ने दांव चलकर अपने एक समय के कद्दावर नेता रहे दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटों को चुनाव मैदान में लडाया है। पार्टी ने पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के बेटे प्रवेश वर्मा को नई दिल्ली से और पूर्व मुख्यमंत्री मदनलाल खुराना के बेटे हरीश खुराना को मोती नगर से प्रत्याशी बनाया है। 1996 से 1998 तक दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे मदनलाल खुराना बीजेपी के दिग्गज नेताओं में माने जाते थे। इसी तरह 1996 से 1998 तक सीएम रहे साहिब सिंह वर्मा का भी दिल्ली की सियासत में अपना प्रभाव रहा। इस बार चुनाव में बीजेपी ने अपने इन दिग्गज नेताओं के बेटों को टिकट देकर आप के सामने चुनौती खड़ी कर दी।

नई दिल्ली में तो बीजेपी ने दो बार के सांसद रहे प्रवेश वर्मा को पूर्व मुख्यमंत्री और आप नेता अरविंद केजरीवाल के सामने चुनौती खड़ी कर दी। इस तरह कहा जा सकता है कि नई दिल्ली की सीट पर एक नहीं दो दो मास्टर स्ट्रोक चले हैं। गौरतलब है कि इसी सीट पर कांग्रेस ने भी बहुत बड़ा दांव चला है। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस की दिग्गज नेता रहीं शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित को मैदान में उतारकर मामले को त्रिकोणीय बना दिया। शीला दीक्षित 1998 से 2013 तक दिल्ली की तीन बार की मुख्यमंत्री रही हैं। दिल्ली में उनके नाम के प्रभाव को समझा जा सकता है। भारत के चुनावी संघर्षों में ऐसा दृश्य कभी नजर नहीं आया कि एक पूर्व सीएम के सामने दो पूर्व सीएम के बेटे चुनाव लड़ते हुए नजर आएं। इस मायने में यह सीट बहुत जटिल और रोमांचक हो गई है। यहां सियासी

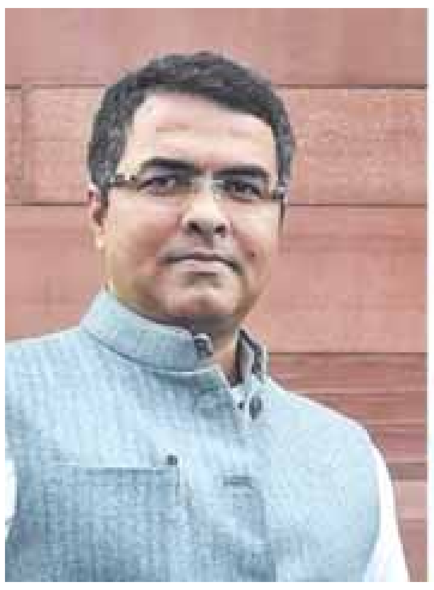

दिग्गज और राजनीतिक घरानों का घमासान है।

अपने जनाधार को फिर से पाने की कोशिश में जुटी कांग्रेस ने भी नए चेहरों की तलाश में वक्त नहीं गंवाया। इसके बजाय कांग्रेस में तपे तपाए नेताओं को टिकट थमाए गए। कांग्रेस ने अपने वरिष्ठ नेताओं पर भी भरोसा जताया और अपने पूर्व दिग्गज नेताओं के परिजनों को भी चुनावी मैदान में उतारा । कांग्रेस और आप के बीच रिश्तों की बर्फ पिघली नहीं। कांग्रेस में इस बात को लेकर मंथन होता रहा कि आप से समझौता किया जाए या नहीं। लेकिन, जब तय हुआ कि कांग्रेस अपने स्तर पर सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी को पार्टी ने अपनी सूची से सबको चौंकाया। पार्टी ने इसके लिए नई दिल्ली सहित सभी सीटों पर आक्रामक व्यूह रचना तैयार की है। पार्टी ने इसी तरह तेजतर्रार नेता जयप्रकाश अग्रवाल के बेटे मुदित अग्रवाल को चांदनी चौक की सीट पर प्रत्याशी बनाया है। पूर्व सांसद जयप्रकाश अग्रवाल दिल्ली में कांग्रेस के कद्दावर नेताओं में माने जाते हैं। जयप्रकाश अग्रवाल लोकसभा का चुनाव लड़े थे। हालांकि कांटे के संघर्ष में वह चुनाव हार गए थे। इस बार उनके बेटे मुदित अग्रवाल का मुकाबला लगातार विजयरथ लेकर चलने वाले विधायक शोएब इकबाल के बेटे आले इकबाल से है।

'आप' पार्टी ने पिछले दो चुनाव शानदार तरीके से जीते। आप का उदय होने के बाद इस पार्टी ने लगातार सफलता प्राप्त की। 2013 में आप दूसरे नंबर की पार्टी बनी थी। कांग्रेस के समर्थन से आप की बनी सरकार केवल 49 दिन चली थी। 2015 में पार्टी ने 54 .5 प्रतिशत मत हासिल करके 67 सीट हासिल की थी। 2020 में आप का ग्राफ थोड़ा गिरा, लेकिन 62 सीटों के साथ सरकार आप की ही बनी। इसके बाद यमुना में काफी पानी बह गया है। आज के बदले हालात में कई तरह की विपरीत स्थितियों में चुनाव मैदान में है। दिल्ली की मुख्यमंत्री अब अरविंद केजरीवाल नहीं आतिशी है। आप के खिलाफ कथित शराब घोटाला, शीशमहल और तमाम दूसरे प्रकरणों के चलते छवि पर असर पड़ा उससे लग रहा था कि पार्टी कुछ नए चेहरों के साथ चुनाव मैदान में उतर सकती है।

पार्टी ने माहौल को समझते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, दिल्ली विधानसभा की उपाध्यक्ष राखी बिड़लान की सीटें तो बदली, लेकिन 70 सीटों में पार्टी ने छह स्थानों पर विधायक पूर्व सांसद पूर्व विधायक के परिजनों को ही टिकट थमाए। दिल्ली के चुनाव में जो कशमकश मची है और जिस तरह हर सीट जटिल बनी हुई है, उससे आप के शीर्ष नेतृत्व ने किसी तरह की नाराजगी नहीं उभरने दी। पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल खुद नई दिल्ली से चुनाव लड़ रहे हैं। लेकिन, अब अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सीएम आतिशी के अलावा स्टार प्रचारक में अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल का नाम दिखाई देता है। जिस तरह आप के बड़े दिग्गज नेता अपनी सीटों पर उलझे हुए हैं उसके बाद सुनीता केजरीवाल और सांसद संजय सिंह जैसे नेता अलग अलग सीटों में प्रचार के लिए निकल पा रहे हैं।

पहले इस बात की सुगबुगाहट थी अरविंद केजरीवाल दो सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। साथ ही उनकी पत्नी भी चुनाव में दांव आजमा सकती है। लेकिन, आखिरकार आप पार्टी ने यह जोखिम उठाना ठीक नहीं समझा। त्रिकोणीय लड़ाई में फंसी आप पार्टी अपने कार्यकर्ताओं और दूसरे नेताओं को किसी भी तरह नाराज नहीं करना चाहती थी। लेकिन, इसके बजाए आप पार्टी ने दिल्ली के बड़े नेताओं के बच्चों या पत्नी को टिकट सौंपा है। आप ने विधायक एसके बग्गा की जगह उनके बेटे विकास बग्गा, विधायक प्रहलाद साहनी की जगह उनके बेटे पूरणदीप साहनी, पूर्व विधायक मतीन अहमद की जगह जुबेर अहमद, पूर्व सांसद महाबल मिश्रा की जगह विनय कुमार मिश्रा और विधायक नरेश बलियान की जगह उनकी पत्नी पूजा बलियान को उम्मीदवार बनाया। स्पष्ट संकेत है कि आप पार्टी ने चुनाव में प्रत्याशियों को बदलने की स्थिति में उनके परिजनों को ही तरजीह दी।

साधु समाज का होता वैश्वीकरण

सामयिक

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

इस बार का प्रयागराज में लगा कुंभ मेला कुछ विशिष्ट होता दिखाई दे रहा है। 144 साल बाद इस विशेष कुंभ में दो दर्जन से ज्यादा लोग पवित्र गंगा के जल में डुबकी लगा चुके हैं। सबसे ज्यादा लोग अमेरिका और ब्रिटेन से आ रहे हैं। संगम का तट पर विदेशी भाशी अमेरिकी, ब्रिटिश, जर्मन, राषियन, फ्रेंच और स्पेनिश निवासी लोग जय श्रीराम और हर हर गंगे के नारे लगाते देखे गए। अनेक विदेशी पुरुष और महिलाओं की आत्मा को संतुष्टि मिली और अनुभव अविस्मरणीय रहा। सनातन साधुओं की संस्कृति और अनूठी परंपराओं से प्रसिद्ध उद्योगपति स्टीब जॉब्स की पत्नी लॉरेन पॉवेल तो इतनी प्रभावित हुई कि इन्होंने अपना नाम परिवर्तित करके कमला रख लिया। वह निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडेलश्वर कैलाशानंद गिरी के आश्रम में रहीं। इस कल्पवास में दुनिया की सबसे अमीर महिला लॉरेन ने साधुओं की संगत में सादगीपूर्ण जीवन बिताया। साधुओं की इस महिमा के आध्यात्मिक महत्व से सनातन धर्म और साधु-समाज का वैष्वीकरण हो रहा है। इसके व्यापक प्रभाव से भारतीयों के धर्मांतरण पर अंकुश लगेगा। राष्ट्र निर्माण और सांस्कृतिक वैभव की दृष्टि से साधु-समाज का यह काम राष्ट्र-बोध जगाने वाला है।

शंकराचार्य ने साधु-संन्यासियों के सार्थक उपयोग के लिए ही चारों दिशाओं में चार मठों की स्थापना की थी। इन मठों को ज्योतिर्मठ, श्रृंगेरी, गोवर्धन और शारदा मठ के नामों से जाना जाता है। ये मठ धर्म और संस्कृति के प्रचार-प्रसार के साथ सामाजिक कार्यों से भी जुड़े रहे है। इतिहास गवाह है आजादी की लड़ाई में अखाड़ों से जुड़े बाबाओं ने झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के साथ अंग्रेजों से युद्ध भी लड़े थे। मानव शक्ति के रूप में भारत के पास विशाल साधु समाज है। जिसे अब तक आंतरिक चेतना एवं अतींद्रीय शक्तियों के नियंत्रण का ही मुख्य कारक एवं प्रतीक माना जाता रहा है। यदि यह शक्ति राष्ट्र निर्माण संबंधी विकास कार्यों से जुड़ी बुनियादी समस्याओं के हल में जुट जाएं तो राष्ट्र का बहुत भला हो सकता है। क्योंकि इस समाज के साथ अपार शारीरिक बल होने के साथ धार्मिक न्यासों की संपत्ती के रूप में अकूत आर्थिक बल भी है। दिवंगत जयगुरुदेव बाबा के पास 1200 करोड़ और सत्य सांई बाबा के पास से अकूत दौलत के भण्डार हुए थे। हालांकि सांई न्यास करीब 500 ग्रामों को अपनी ओर से पेयजल उपलब्ध कराता है और हजारों लोगों को शिक्षा व स्वास्थ्य की मुफ्त सेवा भी करता है। तय है, हमारे मंदिर और धार्मिक न्यासों के पास अरबों की धन-संपदा तो है ही, उनके पास सनातन के वैश्वीकरण की भी अपार क्षमताएं हैं।

भारत के हर परिवर्तनकारी युग में मठ, मंदिरों और साधुओं ने सांस्कृतिक चेतना का नवजागरण कर राष्ट्र निर्माण को नया मोड़ देते हुए उदात्त भावनाओं और मंगलकारी सिद्धान्तों का प्रतिपादन किया है। जिससे धर्म दीर्घकालिक सत्ताधारियों के राजनीतिक लाभ का हितपोषक न बना रहे। यही कारण है कि विश्वमित्र, वशिष्ट चाणक्य, महावीर, बुद्ध, जगतगुरु शंकरचार्य, गुरुनानक देव, चैतन्य महाप्रभु, स्वामी दयानंद सरस्वाती, महार्षि अरविंद, स्वामी विवेकानंद और ज्योतिबा फुले जैसे राष्ट्रप्रेमियों ने देश को आततायी विदेशी आक्रांताओं से लड़ने की शक्ति देने के साथ अज्ञान, भूख, अराजकता और आसमान समाजिक ढ़ांचे से जूझने की भी चुनौती व प्रेरणा आम जनमानस को दी। मध्ययुग के अंधकार से भारतीय जनमानस को कबीर, तुलसी, सूर, रैदास, दादू, मालूकदास और नानकदेव जैसे संत कवियों ने ही उबारकर नवयुग के निर्माण की आधारशीला रखी थी।

स्वतंत्रता पूर्व भारत में करीब 60 लाख साधु थे, वर्तमान में इनकी संख्या एक करोड़ से भी ज्यादा है। साधु समाज की इस गणना में रोगी, भिखारी, बाजीगर, सपेरे, नट, मदारी, लावारिस और अपाहिज भी शुमार हैं। इनकी संख्या 80 प्रतिशत है। पहुंचा हुआ साधु इन्हें साधु नहीं मानता। ऐसे ही साधुओं की बदौलत धर्म और नैतिकता का मूल मंत्र खंडित हो रहा है। ये साधु ग्रामीण क्षेत्रों में आसानी से पैठ बनाकर ग्रामीणों को गांजा, भांग, जैसे व्यसनों का आदी बना लेते हैं। यही साधु वेशधारी हत्या, बलात्कार, ठगी और अपहरण जैसे गंभीर मामलों के आरोपी निकालते हैं। दरअसल इन साधुओं को जब अनपेक्षित मान सम्मान मिलने लगता है तो यह बौरा जाते हैं। नतीजतन ज्यादा से ज्यादा धन बटोरने और भौतिक सुविधाएं जुटाने में लग जाते हैं। ऐसे साधुओं की जहां जनता द्वारा उपेक्षा की जाने की जरूरत है, वहीं साधु समाज इन्हें शिक्षित कर समाज के लिए हितकारी साधु भी बना सकता है। जिससे ये साधु समाज को मद्य निषेध एवं सदाचारी के संस्कार तो दें।

हालांकि साधु जीवन पर अब रमता जोगी, बहता पानी की कहावत पूरी तरह चरितार्थ नहीं हो रही है। मोक्ष के प्रचारक ये साधु भौतिकवाद के शिकार होकर वैभव व प्रदर्शन की प्रवृत्तियों के आदी भी हो रहे है। मोह माया भौतिक सुखों और कारों का काफिला इनके ईद गिर्द मंडरा रहा है। सूचना तकनीक के चलते तमाम साधुओं का भू-मण्डलीयकरण तो हुआ ही, बाजारवाद की गिरफ्त में भी ये आ गए। लिहाजा धर्म अरबों-खरबों के उद्योग में परिवर्तित हो गया। देखते-देखते बीते दो दशकों के भीतर इनकी घास-फूस की झोपड़ियां आलाशीन अट्टालिकाओं में तबदील हो गईं। इसी कारण साधु समाज पर सवाल उठाये जाने लगे कि मोह माया और भौतिक सुखों से ऊपर उठने का दावा करने वाले जो सिद्ध पुरुष स्वयं भोग विलास में संलग्न हो गए हैं, वे अध्यात्म का उपदेश देकर क्या समाज को भौतिकवादी बुराइयों से उबार पाएंगे? लेकिन अब कुंभ में देखने में आ रहे है कि जो वास्तविक धर्मनिष्ठ साधु हैं, वे विश्व की महाशक्तियों को प्रभावित कर रहे हैं।

साधु का प्रमुख गुण समष्टिगत होता है। इसलिए वह धर्म का प्रतिनिधि है। साधु के सदाचरण, संयमी, अंसचयी और सात्विक होने का प्रभाव जितना समाज पर पड़ता है, उतना जनबल तथा धनबल का नहीं पड़ता। इसलिए इन दिव्य पुरुषों के एक इशारे पर लोग करोड़ों लुटा देते है। साधु समाज भारतीय वेद, उपनिषद और पुराण इतिहास के पुनर्लेखन एवं तार्किक व्याख्या लेखन के सिलसिले में भी उल्लेखनीय कार्य कर सकते हैं। क्योंकि हमारे प्राचीन साहित्य को धार्मिक पाखण्ड, कर्मकाण्ड और अंधविश्वास का प्रचारक मानकर खिल्ली उड़ाई जा रही है। यहां तक कि राम और कृष्ण जैसे विराट व्यक्तित्व वाले राष्ट्र नायकों तक को पुरातत्व जैसा जिम्मेदार विभाग मिथक ठहरा कर विवाद का विषय बना देता है। भारत में आर्यों के बाहर से आने की झूठी अवधारणा गढ़ दी गई। प्राचीन संस्कृत साहित्य को कपोल कल्पना करार दे दिया गया। इसे देश के तथाकथित वाम साहित्य और इतिहासकारों ने कृतज्ञ भाव से स्वीकार भी लिया। जबकि वास्तविकता है कि हमारे पौराणिक आख्यानों में प्रणय, राजनीति, दंडनीति, अर्थनीति जल और शिक्षा प्रबंधन की संरचना के सूत्र व सिद्धांत हैं। युद्धशास्त्र, विमान शास्त्र, वास्तु शास्त्र, आयुर्वेद और कामशास्त्र विषयक ये प्राचीन उपलब्धियां चमकृत करने वाली हैं। भाषा, व्याकरण और योग के क्षेत्रों में हम अनुपम हैं। जरूरत है, इनके गूढ़ सूत्रों के रहस्यों को खोलकर मानव उपयोगी बनाना? इस संदर्भ में हम बाबा रामदेव से उत्प्रेरित हो सकते हैं। जिन्होंने पतंजलि योग-सूत्र के रहस्यों को लाइलाज बीमारियों से मुक्ति का साध्य बनाकर आधुनिक चिकित्सा विज्ञान को ही चुनौती दे डाली ?

बहरहाल साधु समाज अपने जनबल और अर्थ बल से बुनियादी समस्याओं के निदान में शिरडी के सांई बाबा न्यास की तरह जुट जाए तो उसका समाज के लिए रचनात्मक क्रियान्वयन से जो वातावरण निर्माण होगा तो जो युवा-शक्ति ईमानदारी से काम करने की इच्छा रखती है, उसका राष्ट्र को अद्वितीय व अपेक्षित योगदान मिलने लग जाएगा ? लाल फीताशही के चलते जो प्रतिभाएं तालमेल न बिठा पाने के कारण पलायन कर दुसरे देशों में अपनी मेधा का परचम फहरा रही हैं, उनकी पलायनवादी प्रवृत्ति पर अंकुश लगेगा। युवा और साधु समाज की संयुक्त ताकत पानी, विद्युत, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क निर्माण जैसे क्षेत्रों की दशा और दिशा बदल सकती है। मतांतरण और लव-जिहाद के प्रति भी साधु-समाज हिंदुओं को जागृत करने का काम कर सकता है। वहीं साधुओं को विशाल संख्या के रूप में जो इस समाज के पास मनुज शक्ति है, वह जहां है वहीं रहकर नदी और तालाबों का कायाकल्प कर जल-स्रोतों के अक्षय भण्डारों का पुनरुद्धार कर सकते हैं। यदि यह शक्ति राष्ट्र निर्माण में जुट जाती है तो इनसे प्रभावित आम जनमानस भी स्वप्रेरणा से इनका अनुयायी हो जाएगा। क्योंकि वह साधु समाज ही है, जिससे कल्पना की जा सकती है कि वह भ्रष्टाचार और पक्षपात की दुर्भावना से मुक्त रहेगा।

अनूठे आस्वाद की पुरस्कृत कविताएं

साहित्य

डॉ. अतुल चतुर्वेदी

लेखक साहित्यकार हैं।

इस वर्ष का केन्द्रीय साहित्य अकादमी का पुरस्कार हिन्दी भाषा के लिए गगन गिल को उनके काव्य संग्रह मैं जब तक आई बाहर के लिए घोषित हुआ है। गगन गिल हिन्दी कविता में एक सुपरिचित नाम हैं और किसी परिचय की मोहताज नहीं है। उनका पहला कविता संग्रह सन् 1985 में एक दिन लौटेगी लड़की आया था। उसके बाद अंधेरे में बुद्ध, यह आकांक्षा समय नहीं, थपक थपक दिल थपक थपक सहित कुल पांच कविता संग्रह गगन गिल के आ चुके हैं। निर्मल वर्मा जैसे रचनाकार की पत्नी होने के साथ ही यात्रा संस्मरणों, कथेतर गद्य और पत्रकारिता के क्षेत्र में गगन गिल की अपनी पुख्ता पहचान है। उनको केदार सम्मान, भारत भूषण अग्रवाल पुरस्कार, हिन्दी अकादमी दिल्ली का पुरस्कार सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। पुरस्कृत काव्य संग्रह मैं जब तक आई बाहर वर्ष 2024 में राजकमल प्रकाशन से हुआ था। जिसे इस वर्ष केन्द्रीय साहित्य अकादमी के हिन्दी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। कविताओं की समझ के लिए मात्र साहित्यिक समझ ही पर्याप्त नहीं होती उसके लिए जीवनानुभव भी महत्व रखता है गगन गिल के इस संग्रह की कविताएं ऐसे ही जीवनानुभवों की कविताएं हैं। इन कविताओं में एकालाप भी है तो सांकेतिकता भी। अव्यक्त से संवाद करती हुयी ये कविताएं नए शिल्प में लिखी गयी हैं। गगन गिल की विशेषता है कि वे शब्दों के संबंध में बहुत मितव्ययी हैं और अपनी कविताओं के माध्यम से एक अमूर्त चिंतन प्रस्तुत करती हैं।

मां से अपने संवाद विषयक एक कविता में वह कहती हैं तुम सुई से निकलती हो / मैं धागे में से मां /कभी सुई में से मैं/ धागे में से तुम /कौन सी बखिया मां/ हम सिले जा रही सदियो से। गगन गिल की कविताओं की भाषा सहज और सरल दिखती है लेकिन शब्दों की व्यंजना शक्ति मारक है। उनकी अर्थवत्ता व्यापक है। धीरे धीरे दृश्य से/ओझल होता है /आदमी /पता भी नहीं चलता /कब दिन छोटा हुआ/ लंबी हुई रात/ फैल गई कब/ मिट्टी में जड़/ लिपट गई /नागिन एक उस से। आज के इस आपाधापी और शोर भरे समय में गगन गिल की कविताएं एक चुप्पी साधे कवयित्री की कविताएं हैं जिनका मंतव्य सलीके से अपनी बात रख देने का है। एकांत और निजीपन का संसार बुनते हुए वो अत्यन्त शालीन और सार्थक हस्तक्षेप अपने समय में करती हैं।

देवता हो या मनुष्य/ देह मत रखना किसी के चरणों में/ देह बड़ी ही बंधनकारी वनकन्या/ सुलगने देना /अपनी बत्ती /अपना दावानल / साफ होने देना खेत /जल लेने देना/ पुराना घास फूंस। गगल गिल की कविताओं की यात्रा एक प्रश्नाकुल साधिका की रहस्यवादी यात्रा है। यहां अज्ञात से निरंतर संवाद चलता रहता है और सवाल भी चलते रहते हैं। उनकी कविताएं पाठक से ठहराव की मांग करती हैं। इन कविताओं को पढ़ते हुए यह प्रभाव नोटिस आता है कि विकारों का विरेचन उत्तरोतर होता चला जाता है और पाठक अनंत यात्रा पर लेखिका के साथ निकल पड़ता है।

राजस्थानी भाषा का इस वर्ष का अकादमी पुरस्कार हाड़ौती बोली के कवि मुकुट मणिराज को देने की घोषणा हुयी है। हाड़ौती के लिए गर्व की बात है। प्रेम जी प्रेम, शांति भारद्वाज राकेश, अतुल कनक, अंबिका दत्त के बाद यह हाड़ौती बोली का पांचवा पुरस्कार है जो गांव अर अम्मा काव्यसंग्रह के लिए दिया जाएगा। इस काव्य संग्रह में मुकुट मणिराज जी की मुक्त छंद की कविताएं हैं जिनमें शहर से गांव चली आई मां की पीड़ा का वर्णन है।

साथ ही बुजुर्गों के एकाकीपन और गांव की परंपराओं, संस्कृति का भी चित्रण कवि मुकुट जी ने किया है। लोकभाषा की मिठास और भाषा की रवानगी देखते ही बनती है। ग्रामीण जीवन के अनेक चित्र यहां उकेरे गए हैं। दोनों ही सम्मानित रचनाकारों के हार्दिक बधाई। उम्मीद है इससे न केवल साहित्य की दुनिया रोशन होगी बल्कि मानवीय सरोकारों की आवाज भी बुलंद होगी।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

ज्ञानी आत्मा के पास मोहल्ले भर का चरित्र प्रमाण

व्यंग्य

अम्बिका कुशवाहा 'अम्बी'

लेखक व्यंग्यकार हैं।

हमारे पड़ोसी आत्माराम मोहन जी हैं, जो बड़े ही पहुँचे हुए ज्ञानी आत्मा हैं या कहें आत्म-मोह की बीमारी से ग्रसित हैं। उन्हें अपने मोहल्ले के युवाओं की बहुत फिक्र रहा करती है। जैसे कि पूरे मोहल्ले की पढ़ाई-लिखाई, कैरियर से लेकर शादी-विवाह का बोझ उन्ही के ऊपर है, आस-पड़ोस से लेकर अपने दोस्तों तक के घरों का चरित्र प्रमाण पत्र उन्ही के ऊपर है।

कल ही मिले थे, हाथों में बड़ा सा बैग लिए कहीं से चले आ रहे थे। सुबह का समय था, मैं 15 दिन की छुट्टी पर घर आई थी। सुबह-सुबह मैं गेट के बाहर ही खड़ी थी।

'नमस्ते, 'चाचा जी', ' मैंने कहा।

आत्माराम मोहन जी ने मुझे देखा और उनके चेहरे पर एक बड़ी सी मुस्कराहट आई। 'बेटी ! तुम घर आई हो, अच्छा हुआ। मैं आज ही तुम्हारे पापा से मिलने आया था।'

मैंने उन्हें मेहमान कक्ष में बैठने के लिए कहा और पापा को बुलाने घर के अंदर चली गई।

पापा मेहमान कक्ष में आए। आत्माराम जी पापा से बोल रहे थे, 'बिटिया दिल्ली में कौन सी पढ़ाई करती है?'

पापा ने जवाब दिया, 'पीएचडी के साथ नौकरी के लिए कम्पटीशन की तैयारी।' आत्माराम जी ने कहा, 'देखिए भाई, मैं गलत नहीं बोलूँगा। अब बेटी की शादी कर दो, आजकल के बच्चों को तो देख ही रहे हो।' पापा ने कहा, 'बेटी अभी शादी नहीं करना चाहती है, विवाह में आजकल के बच्चों की मर्जी भी होनी चाहिए।' आत्माराम जी ने कहा, 'मैं तो भला के लिए ही कह रहा हूँ। 10 दिन पहले ही मनोज जी की बेटी किसी लड़के के साथ भाग गई है। आजकल के बच्चों का कोई ठीक नहीं है। बेटियों को नौकरी करवा कर करना ही क्या? अच्छे घर में ब्याह दो, घर संभालेगी और मर्द कमाएगा।'

थोड़ी देर चुप्पी के बाद आत्माराम जी मचलती हुई आत्मा फिर बोले, 'वो मेरा पड़ोसी है ना 'संदीप', उसका बेटा दिल्ली में 5 साल से रह रहा है, नौकरी के बहाने लड़की घुमा रहा है। फिर फलां की बेटी भाग गई... फलां का बेटा निकम्मा है... फलां.. फलां, इनका चल ही रहा था।' मैं सारी बातें मेहमान कक्ष के बगल के किचन से सुन रही थी। मैं चाय लेकर मेहमान कक्ष में आई।

मैंने कहा, 'चाचा जी, ये लीजिए चाय और भइया कैसे हैं? उनकी तो बैंगलोर में जॉब लगी थी न, कल इधर से जाते हुए देखा।'

आत्माराम जी मुस्कराते हुए पापा की तरफ देखते हुए बोले, 'प्राइवेट कंपनी थी, भला प्राइवेट जॉब में क्या रखा? पैसे लगा कुछ बिज़नेस करवा देंगे।' मैंने कहा, 'प्राइवेट कंपनी भी कम नहीं होती 'चाचा जी', काबिलियत हो तो अच्छी सैलरी देती है।' आत्माराम जी मुस्कराते हुए बोले, 'बेटी, तुम्हारी बात ठीक है, लेकिन प्राइवेट कंपनी में कितनी सुरक्षा है? कभी भी निकाल देंगे।'

मैंने कहा,'चाचा जी, सरकारी नौकरी में भी अपनी जगह बनानी पड़ती है। और प्राइवेट कंपनी में भी अपनी मेहनत और काबिलियत से आगे बढ़ सकते हैं।' पापा ने बीच में कहा, 'बेटी, आत्माराम जी की बात भी सही है। सरकारी नौकरी में सुरक्षा और स्थिरता होती है।'

मैंने कहा, 'चाचा जी, भईया की तो शादी भी हो चुकी है, सुना है कि भाभी यहाँ नहीं रहती हैं।'

आत्माराम जी बिना कोई जवाब दिए सोफे से उठे, और पापा से बोले, 'अच्छा, भाई साहब.. अब चलता हूँ।' और गेट से बाहर निकल गए।

बेटे के शादी के समय आत्माराम जी रिश्तेदारों से लेकर मोहल्ले तक बहु के गुण गाते रहे थे, खूब संस्कार भर-भर लाए थे, फिर उसी बहु ने ससुराल आते ही अपने सास-ससुर को नाक से पानी पिला दिया। इनके घर का मामला इसमें गलती किसकी ये लोग ही जान सकते हैं। लेकिन आत्मा राम जी को दूसरों में क्यों दिलचस्पी?

आत्माराम जी की आत्मा मोहल्ले भर के घर के बच्चों की खबर रखती है, या कहें जो खबर खुद बारे में भी किसी को नहीं पता, वो चीज़ हवा के साथ उड़ती हुई, आपके पास पहुँच जाएगी। खुद के घर में चाहे 10 तरह की कहानियाँ हों, खुद के बच्चे चाहे निकम्मे हों फिर भी लायक हैं। बाकी दूसरे के बच्चे पढ़ाई लिखाई करें या घर बाहर नौकरी करें, उनका चरित्र प्रमाण-पत्र बनाने में जुट जाते हैं। युवाओं में बढ़ती तनाव के जिम्मेदार।

'हमारे आस-पास बहुत सारे 'आत्माराम मोहन' होते हैं, जिन्हें दूसरों की लाइफ के मजे लेना और चरित्र-प्रमाण पत्र बाँटना अपना पुण्य समझ लेते है। और स्वयं को ज्ञान के गुरु का देवता समझते है।'

हेमू कालाणी : त्याग, बलिदान एवं देशभक्ति का प्रखर नायक

बलिदान दिवस पर विशेष

प्रमोद दीक्षित मलय

लेखक शिक्षक एवं शैक्षिक संवाद मंच के संस्थापक हैं।

हेमू कालाणी को राष्ट्रप्रेम एवं देशभक्ति के संस्कार बचपन से ही मिले थे। हेमू का जन्म 23 मार्च, 1923 को सिंध के सक्खर नामक गांव में पिता पेसूमल कालाणी एवं माता जेठी बाई के कुल-परिवार में हुआ था। वह समय भारत में स्वतंत्रता आंदोलन के चरम का था तो वहीं भारतीयों के विरुद्ध अंग्रेजी शासन द्वारा किए जा रहे अमानवीय यातना एवं दमन का भी। अंग्रेजों के कठोर एवं निर्दयी पाशविक व्यवहार से संपूर्ण देश में क्रांति एवं विद्रोह का एक वातावरण बना हुआ था। महात्मा गांधी, सुभाषचंद्र बोस, विनायक दामोदर सावरकर, लाला लाजपत राय जन-जन के दिलों में श्रद्धा एवं शक्ति का केंद्र बन गये थे। महात्मा गांधी जब सिंध की यात्रा पर आए तो जन सैलाब सड़कों पर उतर आया। कराची में आयोजित कांग्रेस के अधिवेशन से भी पूरे सिंधु में स्वतंत्रता के लिए एक प्रेरक वातावरण बना। ऐसे में हेमू का बाल मन भला कैसे अप्रभावित रह सकता था, जिसे आरंभ से ही मां जेठी बाई द्वारा रात्रि में सोने से पहले महान बलिदानी नायकों एवं त्यागी-तपस्वियों की कहानी सुनाई जाती रही हो।

भारत की आजादी के लिए अंग्रेजों के विरुद्ध 1857 से आरंभ किया गया संग्राम स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त, 1947 तक अनवरत अहर्निश गतिमान रहा है। स्वातंर्त्य समर की यह जाज्वल्यमान मशाल न कभी बुझने पाई, न डिगने पाई। स्वातंर्त्य समर में समाज के प्रत्येक क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों ने अपना योगदान दिया है; चाहे वे किसान, मजदूर, राजनीतिक व्यक्तित्व रहे हों या फिर विद्यार्थी, शिक्षक और पत्रकार। किसी ने अपनी लेखनी से क्रांति के गीत रचे हैं तो किसी ने अपने पावन रक्त से मां भारती का तिलक किया है। देश के अस्तित्व रक्षा के लिए उम्र मायने नहीं रखती। गुलामी की बेड़ियां काटने के लिए किशोर वय क्रांतिकारियों ने भी राष्ट्र चेतना के गौरव अनुष्ठान में अपने जीवन की आहुति समर्पित की है। नाना साहब पेशवा की बेटी मैना हो, उत्कल का किशोर पूनम नेगी या फिर बंगाल का सिंह शावक खुदीराम बोस। किशोर बलिदानियों की इस श्रंखला में सिंध के शहीद हेमू कालाणी का नाम विश्व में बड़े आदर से लिया जाता है।

हेमू कालाणी को राष्ट्रप्रेम एवं देशभक्ति के संस्कार बचपन से ही मिले थे। हेमू का जन्म 23 मार्च, 1923 को सिंध के सक्खर नामक गांव में पिता पेसूमल कालाणी एवं माता जेठी बाई के कुल-परिवार में हुआ था। वह समय भारत में स्वतंत्रता आंदोलन के चरम का था तो वहीं भारतीयों के विरुद्ध अंग्रेजी शासन द्वारा किए जा रहे अमानवीय यातना एवं दमन का भी। अंग्रेजों के कठोर एवं निर्दयी पाशविक व्यवहार से संपूर्ण देश में क्रांति एवं विद्रोह का एक वातावरण बना हुआ था। महात्मा गांधी, सुभाषचंद्र बोस, विनायक दामोदर सावरकर, लाला लाजपत राय जन-जन के दिलों में श्रद्धा एवं शक्ति का केंद्र बन गये थे। महात्मा गांधी जब सिंध की यात्रा पर आए तो जन सैलाब सड़कों पर उतर आया। कराची में आयोजित कांग्रेस के अधिवेशन से भी पूरे सिंधु में स्वतंत्रता के लिए एक प्रेरक वातावरण बना। ऐसे में हेमू का बाल मन भला कैसे अप्रभावित रह सकता था, जिसे आरंभ से ही मां जेठी बाई द्वारा रात्रि में सोने से पहले महान बलिदानी नायकों एवं त्यागी-तपस्वियों की कहानी सुनाई जाती रही हो। सात-आठ वर्ष का बालक अपने हमउम्र साथियों के साथ अपने हाथों में तिरंगा उठा नेतृत्व करते हुए शहर की बस्तियों में गली-गली प्रभात फेरी निकाला करता। संयोग से 23 मार्च, 1931 को भगत सिंह एवं साथियों को फांसी की सजा दिए जाने से देश भर में अंग्रेजों के खिलाफ ज्वार उमड़ा। बालक हेमू ने संकल्प लिया कि एक दिन वह भी भगत सिंह की तरह भारत माता की सेवा-साधना में अपने प्राणों की समिधा समर्पित कर देगा। वह कपड़े से फांसी का फंदा बना साथियों के साथ भगत सिंह की फांसी का खेल खेलता। मां के यह पूछने पर कि हेमू तू कैसे खेल खेलता रहता है। वह निर्भय बालक बोलता, 'मां ! एक दिन पूरा भारत वर्ष तुम्हारे पुत्र का गौरव-गान करेगा। मुझे भारत माता को अंग्रेजों से मुक्त कराना है।' मां गर्व से फूल बालक को सीने से लगा चूमने लगतीं। अब हेमू कालाणी जगह-जगह विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करता, होली जलाकर स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग हेतु सामान्य जन को प्रेरित करता। काल चक्र गतिशील था। 8 अगस्त, 1942 को महात्मा

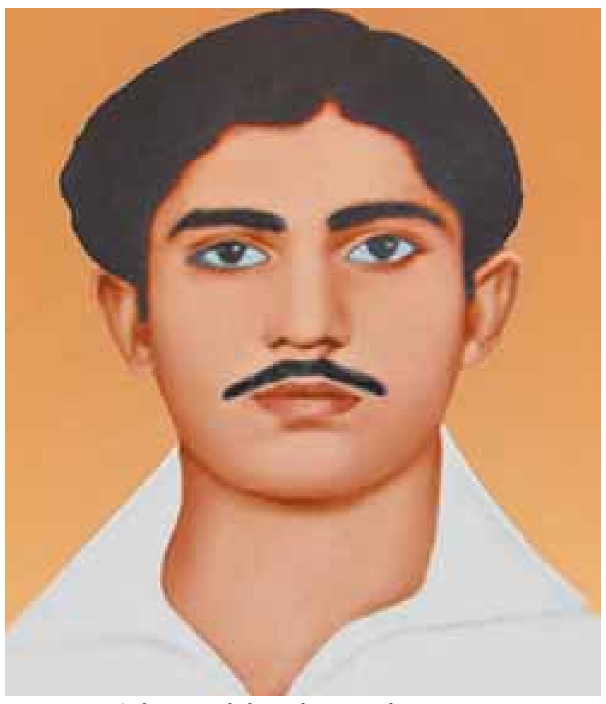

गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन का ऐलान कर अंग्रेजों के विरुद्ध देशव्यापी संघर्ष छेड़ा। देश भर में जगह-जगह अंग्रेजों के विरुद्ध जनता उठ खड़ी हुई। सिंध भी ललकार कर खड़ा हुआ। पुलिस थानों, चौकियों, चौराहों पर विरोध प्रदर्शन होने लगे। हेमू इन गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने लगा। वह सिंध में लोकप्रिय हो घर-घर पहचाना जाने लगा।

अक्टूबर 1942 में हेमू को जानकारी मिली कि क्वेटा, सिंध में आंदोलनकारियों को दबाने एवं संहार के लिए सक्खर से एक फौजी दस्ता तमाम घातक हथियारों को लेकर ट्रेन से जाने वाला है। तब हेमू ने साथियों के साथ योजना बना रात के समय पुल के पास रेल ट्रैक की फिश प्लेटें उखाड़ना शुरू किया। रात्रि के शांत वातावरण में हथौड़े की आवाज से ड्यूटी पर तैनात सिपाही मुस्तैद हो गए और पकड़ने को दौड़े। हेमू ने अपने दोनों साथियों को भगा दिया और स्वयं डटे रहे, पकड़े गए। सिपाहियों द्वारा असहनीय शारीरिक दंड दिया गया। साथियों का नाम-पता जानने के लिए निर्मम यातनाएं दी गयीं। लेकिन हेमू ने यही कहा कि मेरे केवल दो साथी थे रिंच और हथोड़ा। मार्शल लॉ कोर्ट ने देशद्रोह के अपराध में हेमू को आजन्म कारावास दिया। आदेश की प्रति सिंध के हैदराबाद सेना मुख्यालय के अधिकारी कर्नल रिचर्डसन के पास अनुमोदन हेतु प्रेषित की गई। कर्नल आदेश प्रति पढ़कर आग बबूला हो गया और हेमू कालानी को अंग्रेजी सत्ता का खतरनाक शत्रु करार देते हुए आजीवन सजा को फांसी की सजा में बदल दिया। यह जानकारी बाहर आते हैं सिंध उबल पड़ा। गणमान्य व्यक्तियों के एक समूह ने वायसराय को पत्र लिखकर फांसी की सजा को आजन्म कारावास में बदलने की प्रार्थना की। लेकिन वायसराय ने शर्त रखी कि हेमू अपने दोनों साथियों के नाम बता दे। लेकिन हेमू ने शर्त अस्वीकार कर बलिदान का पथ चुना। अंततः 21 जनवरी, 1943 को 19 वर्ष की अल्प आयु में प्रातः काल 7:55 पर हेमू कालाणी को सक्खर की जेल में फांसी दे दी गई।

देश अपने उस किशोर बलिदानी को भूला नहीं। 18 अक्टूबर, 1983 को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने माता जेठी बाई की उपस्थिति में हेमू कालाणी पर 50 पैसे का डाक टिकट जारी किया। देश के तमाम शहरों यथा इंदौर, जयपुर, राजनांदगांव, जोधपुर, अजमेर, उल्हासनगर आदि में चौराहों के नाम हेमू कालानी चौक रखे गए। फैजाबाद में एक पार्क का नाम रख हेमू कालाणी की 15 फीट ऊंची प्रस्तर प्रतिमा स्थापित की गई। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के मुख्य चौराहे कचहरी चौक में प्रतिमा स्थापित कर वार्ड का नाम हेमू कालाणी वार्ड रखा गया। दिल्ली में एक विद्यालय का नाम शहीद हेमू कालाणी सर्वोदय बाल विद्यालय रख श्रद्धांजलि अर्पित की गई। स्वाधीनता के युद्ध का यह किशोर नायक करोड़ों भारतीयों के दिलों में हमेशा जीवित जाग्रत रहेगा। आजादी के अमृतकाल में देश की आजादी में निज जीवन की आहुति देने वाले अपने प्रखर देशभक्तों की बलिदान गाथा भावी पीढ़ी तक पहुंचाएं, यही उनके प्रति हमारी श्रद्धांजलि होगी।

अलाव के सहारे ही काट दिया जाता है दिन रात

जीवन

विवेक कुमार मिश्र

लेखक हिंदी के प्राध्यापक हैं।

कोहरा छंटने का नाम ही नहीं ले रहा है, इधर से हटता है तो उधर से आ जाता है । सब तरफ से कोहरे की मार पड़ रही है, शीतलहर इस तरह से पड़ रही है कि दिखता कुछ नहीं धुंध छायी हुई है । पेड़ पौधे सभी पर एक बर्फीली चादर सी छा जाती । ठंडी हवाओं का जोर इतना है कि हाथ पांव काम ही नहीं करते । आदमी थर थर कांप रहा है । इस समय हाथ पांव पसार भी नहीं सकते, जो जहां है वहीं पर दुबक कर बैठा है कहीं भी जाने से हवाएं रोक लेती हैं । इस मौसम यदि ढ़ंग से आपने अपने को ढंका नहीं तो सर्द हवाएं मार खाने को दौड़ रही हैं । हवाओं से बचने का उपाय यही है कि अलाव जला लें । अलाव के साथ ही राहत मिलती है ।

सब कुछ गड़बड़ हो गया है कहीं जाने लायक नहीं है। बस बैठे रहिए पर बैठे रहने से भी तो काम नहीं चलने वाला है । ठंड के मारे उंगलियां अकड़ जाती हैं और कहती हैं कि अब कोई काम नहीं होता, पहले हाथ सेंक लो फिर कुछ सोचों । हाड़ कंपाने वाली ठंड चैन से सोने भी नहीं देती , हवाएं न जाने कहां से चली आती हैं, और ऐसे लगता है जैसे कि कोई बड़ा कट लग गया हों, एक दर्द एक चींख सी निकल जाती है । सर्द हवाएं इस तरह चल रही हैं कि लगता है कि जान लेकर ही मानेंगी । रात की तीखी हवाएं तो जान पर ही भारी पड़ जाती है । इन हवाओं का जोर इतना है कि इसके आगे कुछ भी नहीं सूझता । दिन पूरा निकल गया है पर पता ही नहीं चलता है कि दिन है कि रात है। चारों तरफ कोहरा छाया है, हवाएं काट खाने को दौड़ रही हैं ऐसे में भला आदमी क्या करें कहां जाएं । पानी बर्फ की तरह जमा आ रहा है, हाथ पांव धोने का भी मन नहीं करता पर ऐसे ही आदमी कब तक पड़ा रहेगा । पड़े रहने से काम भी नहीं चलेगा । संसार में हैं तो कदम बढ़ाना ही पड़ेगा । अब तो आदमी के पास एक नहीं दो दो कंबल है पर गलन इतनी बढ़ गई है दो नहीं चार कंबल भी ओढ़ ले तो भी ठंडी हवाएं न जाने कहां से आ ही जाती हैं । यह समय ठंडी हवाओं के मारे कांप रहे लोगों का समय है जो जहां है जैसे है बस वैसे ही पड़ा रहना चाहता है। इस समय कोई कहीं भी जाना नहीं चाहता ? घर से बाहर निकलना दुभर हो रहा है पर निकलना तो पड़ेगा ही, काम धाम करना ही पड़ेगा । कहते हैं कि सर्दी का अहसास भी उन्हें ही होता है जो कुछ करते धरते नहीं है बस पड़े रहते हैं । सर्द हवाएं चींख चींख कर कहती हैं कि पड़े मत रहो निकलों, कुछ करों, कुछ आगे बढ़ों सब कुछ ठीक हो जाएगा । हर मौसम का अपना ही आनंद और समय होता है । ऐसे में इन सर्द हवाओं का आप आनंद लें। इस समय का आनंद यह है कि आग जलाकर अलाव पर अपने को सेंक लें । अभी जो हाल है जैसा मौसम है उसके हिसाब से अपना बचाव करते हुए कदम बढ़ाते चलों, जो चलता है वहीं आगे बढ़ता है ।

इस मौसम में आग ही सहारा है । कंबल - रजाई से बाहर निकलो अलाव जलाओं , दो चार लकड़ी इकठ्ठा करों फिर तीली माचिस की सहायता से आग को पकड़ने दो । जब आग पकड़ लेगी तो सब आ जायेंगे । अलाव के पास ही सहारा मिलता है सर्द मौसम में । यद्यपि अब अलाव की जगह हीटर , ब्लोवर आदि आ गये हैं, दिखते रहते हैं... पर जो सुख अलाव का है वह कहीं और नहीं है । देशज साधन सीधे सीधे देश की मिट्टी और देश के मन से जोड़ देते हैं । यहां अलाव जलाने में जो मेहनत, जो हिकमत और जो श्रम लगता है वहीं बाद में सुख का कारक बन जाता है ।

जहां लकड़ी और आग के बीच से एक सोंधी सोंधी महक निकलती है और आंच तन मन को एक साथ स्पर्श करती है वह हीटर ब्लोवर में कहां है ? वैसे भी हीटर ब्लोवर एक आदमी को सुख पहुंचाते हैं पर अलाव तो आसपास के सभी लोगों को न केवल सुखकारी लगता है बल्कि सबकी स्मृतियों को भी खोल देता है और सब अलाव सुख के अपने अपने किस्से कहानियों और विचार को लेकर अलाव पर जम जाते हैं कि पूरा का पूरा दिन पूरी की पूरी रात निकल जाये और न तो आग कम होती न बातें कम होती न ठंडी हवाओं का दौर कम होता पर सब कुछ पुरसुकून से चलता ही रहता है। अलाव दुनियादारी से, सामाजिकता से और मनुष्य को अपने परिवेश से बहुत गहरे जोड़ देती है यहां उसकी पूरी दुनिया होती है । इसीलिए बराबर से यह कहा जाता है कि अलाव पर हाथ पांव सेंको और दुनियादारी में जुत जाओं । खाली बैठे रहने से काम चलने वाला नहीं है । दो चार लकड़ी और फिर आग सुलग जाए, फिर तो सिलसिला चल पड़ता है बातों का , बहस का और आग और धुएं के मेल से एक गर्माहट आ ही जाती है। यह आग केवल आदमी के लिए ही नहीं है इसकी गर्माहट से पालतू जानवरों को भी राहत मिलती है, इस समय देखने में आता है कि अलाव के आसपास ही पिल्ले, बैठे मिलते हैं, आग है तो ठीक नहीं तो आग की राख से भी अपने को गर्म रखते हैं यहां गर्माहट का अहसास बना रहता है, और जब आग जलती है तो हथेलियों में जान और गर्माहट आ जाती है । इस सर्द मौसम में कुछ करें या न करें पर अलाव की व्यवस्था करते हुए चलें आप तो एक नहीं दो-दो कंबल ओढ़े जा रहे हैं पर बहुत से ऐसे लोग भी हैं जिनके चेहरे को गर्माहट कंबल से नहीं आग से ही मिलती है । यह मौसम शितम ढ़ा रहा है साहब । कितने दिन हो गए सूरज के दर्शन ही नहीं हुए , जब सूरज नहीं निकलता तो आग ही सहारा होती है । इस आग के सहारे ही दिन रात काट लिया जाता है ।

आस्था, एकता और ब्रह्मांडीय महत्व का पर्व

महाकुंभ

डॉ भूपेन्द्र कुमार

स्तंभ लेखक

इस दिव्य उत्सव के केंद्र में (एक साथ आना) 'संगम' है - गंगा, यमुना और रहस्यमयी सरस्वती नदियों का पवित्र संगम। लाखों भक्त आध्यात्मिक शुद्धि और आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए पवित्र डुबकी लगाने के लिए एक साथ आएंगे। महाकुंभ आस्था, एकता और मानवता और ईश्वर के बीच शाश्वत संबंध का एक कालातीत प्रमाण है, जिसकी उत्पत्ति पौराणिक कथाओं और इतिहास से हुई है। भक्तों का मानना है कि शुभ ग्रहों के संरेखण के दौरान डुबकी लगाने से पाप धुल जाते हैं और मोक्ष (मुक्ति) का मार्ग प्रशस्त होता है। योग गुरु और वेदांत के समर्थक स्वामी शिवानंद ने सही कहा कि 'कुंभ मेले में पवित्र डुबकी केवल एक अनुष्ठान नहीं है; यह ईश्वर के प्रति एक गहन समर्पण है।' पौराणिक रूप से जुड़ी, 'समुद्र मंथन' या महासागर मंथन की कथा इसके पौराणिक महत्व की आधारशिला है। प्राचीन शास्त्रों के अनुसार, देवताओं और राक्षसों ने अमरता का अमृत (अमृत) प्राप्त करने के लिए समुद्र मंथन किया था।

ब्रह्मांडीय घटनाओं को सांसारिक अनुष्ठानों से जोड़ता है और सामुदायिक भावना को बढ़ावा देता है! दुनिया के सबसे शानदार आध्यात्मिक समागमों में से एक, भव्य महाकुंभ मेला यहाँ है। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस पवित्र उत्सव की मेजबानी के लिए सावधानीपूर्वक तैयारी की है - जो हर 12 साल में एक बार होता है - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व्यक्तिगत रूप से घटनाक्रम की निगरानी कर रहे हैं। 13 जनवरी, 2025 को शुरू होने वाले महाकुंभ में 45 करोड़ से अधिक लोगों के आने का अनुमान है - लगभग 450 मिलियन तीर्थयात्री, संत, तपस्वी और पर्यटक - भक्त।

इस दिव्य उत्सव के केंद्र में (एक साथ आना) 'संगम' है - गंगा, यमुना और रहस्यमयी सरस्वती नदियों का पवित्र संगम। लाखों भक्त आध्यात्मिक शुद्धि और आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए पवित्र डुबकी लगाने के लिए एक साथ आएंगे। महाकुंभ आस्था, एकता और मानवता और ईश्वर के बीच शाश्वत संबंध का एक कालातीत प्रमाण है, जिसकी उत्पत्ति पौराणिक कथाओं और इतिहास से हुई है। भक्तों का मानना है कि शुभ ग्रहों के संरेखण के दौरान डुबकी लगाने से पाप धुल जाते हैं और मोक्ष (मुक्ति) का मार्ग प्रशस्त होता है। योग गुरु और वेदांत के समर्थक स्वामी शिवानंद ने सही कहा कि 'कुंभ मेले में पवित्र डुबकी केवल एक अनुष्ठान नहीं है; यह ईश्वर के प्रति एक गहन समर्पण है।' पौराणिक रूप से जुड़ी, 'समुद्र मंथन' या महासागर मंथन की कथा इसके पौराणिक महत्व की आधारशिला है। प्राचीन शास्त्रों के अनुसार, देवताओं और राक्षसों ने अमरता का अमृत (अमृत) प्राप्त करने के लिए समुद्र मंथन किया था।

जैसे ही देवता अमृत ले गए, कुछ बूंदें चार स्थानों - हरिद्वार, प्रयागराज, नासिक और उज्जैन - पर गिरीं और ये स्थान पवित्र हो गए। इस तरह कुंभ मेले की परंपरा शुरू हुई। हार्वर्ड विश्वविद्यालय में तुलनात्मक धर्म और भारतीय अध्ययन की प्रोफेसर, विद्वान डायना एक ने लिखा है कि ÷कुंभ मेला पौराणिक कथाओं को भूगोल के साथ एकीकृत करने और सांसारिक को पवित्र बनाने की भारतीय लोकाचार को दर्शाता है।'

कुंभ का उल्लेख ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद जैसे वैदिक ग्रंथों में मिलता है। यह राशि चक्र कुंभ राशि से भी जुड़ा हुआ है, जो पहली सहस्राब्दी ई.पू. के अंत में ग्रीक विचारों से प्रभावित एक ज्योतिषीयझ व्याख्या है। 'मेला' का अर्थ है 'सभा' या 'सभा' और यह मेलों या सांप्रदायिक समारोहों को दर्शाता है, जैसा कि प्राचीन हिंदू ग्रंथों में पाया जाता है।

कुल मिलाकर, कुंभ मेला 'पानी या अमरता के अमृत के इर्द-गिर्द केंद्रित एक सभा' को संदर्भित करता है। ऐतिहासिक रूप से, कुंभ मेले का पहला दर्ज उल्लेख 7वीं शताब्दी ई. में चीनी यात्री ह्वेन त्सांग के लेखन में पाया जा सकता है। ह्वेन त्सांग ने हर्ष (हर्षवर्धन ने 606 से 647 ई. तक उत्तरी भारत के अधिकांश भाग पर शासन किया और उनके शासनकाल को अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण और समृद्ध माना जाता है) के शासनकाल के दौरान कई प्रमुख घटनाओं का दस्तावेजीकरण किया। त्सांग ने प्रयाग में कुंभ मेला उत्सव का भी दस्तावेजीकरण किया जिसमें हर्ष ने भाग लिया था।

सदियों से, यह त्यौहार तपस्वियों के एक मामूली जमावड़े से विकसित होकर एक विशाल आयोजन में बदल गया है, जिसमें लाखों लोग शामिल होते हैं। कुंभ मेले का ऐतिहासिक परिवर्तन इसकी लचीलापन और अनुकूलनशीलता को रेखांकित करता है, जो आध्यात्मिक उत्साह को सामाजिक परिवर्तनों के साथ जोड़ता है। कुंभ मेले की एक खासियत

संतों, द्रष्टाओं और आध्यात्मिक नेताओं की उपस्थिति है जो जनता का मार्गदर्शन करते हैं। विभिन्न 'अखाड़े' (मठवासी आदेश) सनातन धर्म के संरक्षण और प्रचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अक्सर भगवा वस्त्र या राख से लदे तपस्वी सांसारिक इच्छाओं के त्याग का प्रतीक हैं। नदियों में अनुष्ठान स्नान का गहरा प्रतीकात्मक अर्थ भी है। यह व्यक्ति के अहंकार और पापों को धोने का प्रतीक है, जिससे एक नई आध्यात्मिक शुरुआत होती है। इतिहासकार विलियम डेलरिम्पल कहते हैं, 'कुंभ मेले में संत भारत की कालातीत आध्यात्मिक विरासत के संरक्षक हैं।' कुंभ मेला धर्म और विज्ञान के मिश्रण को खूबसूरती से दर्शाता है। इसकी समय-सारिणी, सटीक खगोलीय गणनाओं पर आधारित है, जो हिंदू ब्रह्माण्ड विज्ञान के गहन महत्व को दर्शाती है। जब बृहस्पति कुंभ राशि में प्रवेश करता है और सूर्य मेष राशि में प्रवेश करता है, तो ग्रहों की संरेखण आध्यात्मिक संबंध के लिए एक शुभ अवधि बनाती है।

यह पवित्र त्यौहार ब्रह्मांडीय घटनाओं को सांसारिक अनुष्ठानों से जोड़ता है, जो ब्रह्मांड और मानवीय आध्यात्मिकता के बीच गहरे अंतर्संबंध को उजागर करता है। ग्रहों की गति और ग्रहणों सहित खगोलीय घटनाओं में आर्यभट्ट के अग्रणी कार्य ने कुंभ के समय को प्रभावित करना जारी रखा है।

कुंभ मेला संस्कृतियों, दर्शन और मानवता का एक मिश्रण भी है। इसमें भाग लेने वालों में एकांतप्रिय तपस्वियों से लेकर आम लोग और यहां तक कि अंतरराष्ट्रीय आगंतुक भी शामिल होते हैं। यह विविधता आध्यात्मिक ज्ञान की खोज की सार्वभौमिकता को रेखांकित करती है। समाजशास्त्री सुधीर कक्कड़ ने एक बार लिखा था कि 'कुंभ मेला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि मानवीय अंतर्संबंधों का एक भव्य उत्सव है।' मेले में विचारों, अनुष्ठानों और दर्शनों का आदान-प्रदान वैश्विक एकता की एक अनूठी भावना को बढ़ावा देता है।

कुंभ मेले में लाखों तीर्थयात्रियों की मेजबानी के लिए सावधानीपूर्वक योजना बनाने की आवश्यकता होती है, जिसमें एआई-संचालित भीड़ प्रबंधन प्रणाली, सुरक्षा के लिए ड्रोन निगरानी और चिकित्सा आपात स्थितियों से निपटने के लिए मोबाइल स्वास्थ्य क्लीनिक जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का लाभ उठाना शामिल है। मोबाइल ऐप और लाइव-स्ट्रीमिंग सेवाओं ने श्रद्धालुओं के लिए सहज संचार और वैश्विक पहुँच सुनिश्चित की। 2025 का कुंभ 800 हेक्टेयर के विस्तारित क्षेत्र में फैला होगा, जिसमें प्रतिदिन पाँच लाख वाहनों के लिए 1.8 लाख टेंट और 101 स्मार्ट पार्किंग सुविधाएँ होंगी। चुनौतियों के बावजूद, यह आयोजन परंपरा और आधुनिकता का सहज मिश्रण है।

कोठीबाजार में क्षत्रिय लोणारी कुनबी समाज का भव्य हल्दी कुमकुम कार्यक्रम संपन्न

बैतूल। क्षत्रिय लोणारी कुनबी समाज महिला संगठन बैतूल द्वारा कोठी बाजार स्थित हनुमान मंदिर के पीछे सामूहिक हल्दी कुमकुम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत समाज की गणमान्य महिलाओं और नगरपालिका अध्यक्ष द्वारा दीप प्रज्वलन कर की गई। इस अवसर पर सावित्रीबाई फुले जोन की रंगारंग प्रस्तुतियों ने समां बांधा। वहीं, ओल्ड एज होम नाटक ने समाज की ज्वलंत

समस्याओं को दर्शाते हुए सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में महिलाओं ने एक-दूसरे को हल्दी कुमकुम लगाकर तिल गुड़ और वान देकर सुख, समृद्धि और सौभाग्य की मंगल कामना की। इस अवसर पर 1 सप्ताह पूर्व आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए गए। साथ ही, धनलक्ष्मी बहनों को भी सम्मानित किया गया। महिला संगठन की अध्यक्ष श्रीमती सिद्धलता महाले ने अपने उद्बोधन में महिलाओं को एकजुट रहने और समाज में अपनी भूमिका को सशक्त बनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने सभी को हल्दी कुमकुम की शुभकामनाएं भी दीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती वंदना पंडागरे, श्रीमती ज्योति बारस्कर, श्रीमती अलका वागद्रे, श्रीमती दुर्गा दवंडे, सुनीता देशमुख, श्रीमती संगीता देशमुख, श्रीमती दीपिका वागद्रे और संरक्षक मंडल की सभी बहनों का विशेष योगदान रहा।

साहू समाज समिति का हल्दी कुमकुम और मिलन समारोह आज

बैतूल। साहू समाज समिति, सदर बाजार बैतूल द्वारा आज 21 जनवरी को हल्दी कुमकुम कार्यक्रम और मिलन समारोह का आयोजन श्री पद्म शेषनाग देवता मंदिर परिसर, भगतसिंह वार्ड, सदर बाजार में किया जाएगा। यह आयोजन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। कार्यक्रम में हल्दी कुमकुम के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियां भी होंगी। साहू समाज समिति के इस आयोजन से महिलाओं को एकजुटता का संदेश दिया जाएगा और समाज के विकास में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाएगा। साहू समाज समिति की समस्त महिला कार्यकारिणी ने सभी मातृशक्ति और बहनों से अपील की है कि वे इस आयोजन में समय पर पहुंचकर इसे सफल और यादगार बनाएं।

स्व. रेखा अग्निहोत्री की पुण्यतिथि पर पौधारोपण और गर्म कपड़ों का वितरण

भौरा। जनपरिषद के तत्वाधान में पत्रकार कल्याण परिषद की ओर से अग्निहोत्री परिवार द्वारा स्व. श्रीमती रेखा अग्निहोत्री की प्रथम पुण्यतिथि

के अवसर पर सामाजिक और पर्यावरणीय सेवा कार्य आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज मंगलवार को भौरा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कन्या माध्यमिक शाला और लायंस क्लब के सहयोग से पौधारोपण किया जाएगा। इसके साथ ही बेसहारा और गरीब परिवारों को ठंड से राहत प्रदान करने के उद्देश्य से गर्म कपड़ों का वितरण भी किया जाएगा। इस अवसर पर अग्निहोत्री परिवार और जनपरिषद के सदस्य उपस्थित रहेंगे। आयोजन का उद्देश्य न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है, बल्कि समाज के जरूरतमंद वर्गों की सहायता करना भी है। आयोजकों ने सभी नागरिकों से इस कार्यक्रम में सहभागिता करने और इसे सफल बनाने की अपील की है।

पूर्व सीएस डॉ. बारंगा बने विधायक प्रतिनिधि

बैतूल। जिला अस्पताल से सेवानिवृत्त पूर्व सिविल सर्जन डॉ. अशोक बारंगा को विधायक प्रतिनिधि बनाया है। विधायक हेमंत खंडेलवाल ने पूर्व सिविल सर्जन को लिखे पत्र में बताया कि जिला अस्पताल बैतूल में समय-समय पर आयोजित होने वाली बैठकों में उपस्थित रहकर मेरे प्रतिनिधि के तौर पर कार्य करने के लिए डॉ. अशोक बारंगा सेवानिवृत्त सिविल सर्जन प्रतिनिधि नामांकित किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि डॉ. बारंगा जिला अस्पताल में वर्षों तक सिविल सर्जन की कमान संभालते रहे। उन्हें अस्पताल के कामकाज को लेकर लंबा अनुभव है, इसलिए डॉ. बारंगा को विधायक प्रतिनिधि बनाया गया है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी को

बैतूल। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार 25 जनवरी 2025 को 15वे राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन परिसर में किया जाएगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मकसूद अहमद ने बताया कि प्रातः11 बजे से आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियां होगी। उक्त कार्यक्रम की समुचित व्यवस्था के लिए तहसीलदार बैतूल नगर श्री प्रदीप तिवारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

कुनबी समाज के युवक-युवती परिचय सम्मेलन में शामिल होंगे 18 राज्यों के प्रतिनिधि

बैतूल। अखिल भारतीय लोणारी कुनबी समाज, मध्यप्रदेश के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु राने ने जानकारी दी है कि 9 मार्च को सुबह 10 बजे से चपाती केंद्र के पास मैदान, ई-सेक्टर, बरखेड़ा भेल, भोपाल में 19वां निःशुल्क अंतर्राष्ट्रीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन और महिलाओं का हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस भव्य कार्यक्रम में 18 राज्यों और विदेशों में रहने वाले कुनबी समाज के युवक-युवती प्रत्याशी, उनके अभिभावक और समाज के अन्य सदस्य भाग लेंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत निःशुल्क स्वास्थ्य एवं जांच शिविर लगाया जाएगा, जिसमें विशेषज्ञ डॉक्टर बोन डेंसिटी टेस्ट, शुगर टेस्ट, ईसीजी, बीपी की जांच करेंगे और निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की जाएंगी।

सीएम राइज स्कूल के बच्चों को मिलेगी बेहतर सुविधाएं

लगभग चार सीएम राइज स्कूल भवनों का काम पूरे होने को, आगामी सत्र से लग सकती है कक्षाएं

संजय द्विवेदी, बैतूल। संभवतः आगामी सत्र से जिले के चार सीएम राइज स्कूल के नये भवनों में कक्षाएं संचालित होने लगेगी। जिससे बच्चों को अच्छी शिक्षा के साथ ही बेहतर सुविधाएं भी मिलेगी। प्रदेश में सीएम राइज स्कूलों के भवनों का निर्माण किया जा रहा है। जिले में भी सीएम राइज स्कूल के लिए करीब 10 भवन स्वीकृत हुए है, जिसमें से 9 भवनों का कार्य चल रहा है, वहीं जमीन विवाद के कारण शाहपुर ब्लाक में सीएम राइज भवन का निर्माण अटक गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के बैतूल बाजार, आमला, भैंसदेही, मुलताई, घोड़ाडोंगरी, नसीराबाद, हिडली, गुरवा, भीमपुर और शाहपुर में सीएम राइज भवन स्वीकृत हुए थे। इनमें से शाहपुर को छोडकर सभी जगहों पर भवन निर्माण कार्य चल रहे है। जिसमें से बैतूलबाजार, घोड़ाडोंगरी, नसीराबाद और भैंसदेही क्षेत्र में बनने वाले सीएम राइज स्कूल भवन का निर्माण लगभग पूरा होने को है। संभावना जताई जा रही है कि आगामी नवीन सत्र के अप्रैल या फिर जुलाई माह तक यह भवन बनकर तैयार हो जायेगे और इनमें कक्षाओं का संचालन भी शुरू कर दिया जायेगा।

चार स्कूलों का काम 80 प्रतिशत से अधिक- जिले के चार सीएम राइज भवनों का निर्माण कार्य 80 फीसदी से अधिक हो चुका है। पीआईयू विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बैतूल बाजार और नसीराबाद में 95 प्रतिशत से अधिक कार्य हो चुका है, वन्ही घोड़ाडोंगरी सीएम राइज स्कूल भवन का निर्माण 80 फीसदी तक ठेकेदार द्वारा कर लिया गया है। इसके अलावा भैंसदेही में 85 फीसदी, हिडली में 65-70 फीसदी, गुरवा, भीमपुर में 70-70 फीसदी, वहीं मुलताई में निर्माण देरी से शुरू होने की वजह से अभी तक सिर्फ 25 फीसदी कार्य हुआ है। सभी निर्माण ठेकेदारों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी दिये है।

अभी उत्कृष्ट विद्यालयों में संचालित हो रही कक्षाएं - जिले के सीएम राइज स्कूलों की कक्षाएं सरकारी स्कूलों या उत्कृष्ट विद्यालयों में संचालित की जा रही है। सीएम राइज स्कूलों के भवन बनने के बाद उत्कृष्ट विद्यालय से नये भवनों में कक्षाएं संचालित होना शुरू हो जायेगी, जहां सीएम राइज में पढने वाले बच्चों को बेहतर कक्ष की सुविधाएं उपलब्ध होगी। इसके अलावा बैठक व्यवस्था भी अच्छी रहेगी। अभी कमरों की कमी और अन्य असुविधाओं के बीच बच्चों को पढ़ाई करनी पड़ रही है, लेकिन भवनों के निर्माण के बाद बच्चों को बेहतर कक्ष के साथ-साथ गाइडलाइन के अनुसार सुविधाएं उपलब्ध कराई जायेगी।

जमीनी पेंच के वजह से अटका शाहपुर का स्कूल

जमीनी विवाद के चलते शाहपुर में अभी तक सीएम राइज स्कूल भवन के निर्माण का कार्य प्रारंभ नहीं हो सका है। सूत्र बताते है कि जिस जमीन पर सीएम राइज स्कूल का निर्माण होना था, वह जमीन दान की है। जहां खेल मैदान में आने-जाने के लिए अलग से रास्ता दिये जाने की मांग की जा रही थी, ताकि बाहरी बच्चे कभी भी मैदान में खेल अभ्यास कर सके। इसी विवाद के चलते शाहपुर में सीएम राइज स्कूल का काम अटका पड़ा है। कुछ लोगों ने तो यह भी बताया कि यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है। जैसे ही न्यायालय से फैसला आता है, उसके अनुसार कार्य होगा।

सीएम राइज स्कूलों में होगी तमाम सुविधाएं

सीएम राइज स्कूल में वो तमाम सुविधाएं होंगी, जो बड़े प्राइवेट स्कूलों में होती हैं। बच्चों को शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर के बीच आधुनिक शिक्षा मिलेगी। सीएम राइज स्कूल में 12वीं तक कक्षाएं होगी। पालक हिन्दी-अंग्रेजी दोनों मध्यमों की पढ़ाई कराई जायेगी। स्कूल में क्लासरूम स्मार्ट होंगे। इसके साथ ही आधुनिक प्ले ग्राउंड होंगे। खेल की तमाम सामाग्री छात्रों के लिए उपलब्ध होगी। प्रैक्टिकल के साइंस लैब की व्यवस्था होगी। हर विषय के टीचर और बच्चों को आने जाने के लिए बस सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

इनका कहना है -

जिले के घोड़ाडोंगरी, बैतूलबाजार, नसीराबाद और भैंसदेही में सीएम राइज स्कूल के भवनों का कार्य लगभग पूरा होने को है। संभावना है कि आगामी सत्र तक यह भवन तैयार हो जायेगे। जिसके बाद इन्हें हैंडओवर कर दिया जायेगा।

- ए.एस. तोमर, कार्यपालन यंत्री, पीआईयू विभाग बैतूल

जिले में तीन शिक्षा विभाग के और सात ट्रायवल विभाग के भवन बनने को है। जिसमें से हमारे बैतूलबाजार का सीएम राइज भवन लगभग पूरा बनने को है। कुछ फिनिशिंग का कार्य ही शेष है। संभावना है कि आगामी सत्र से नये भवन में कक्षाएं संचालित होने लगेगी। नया भवन बनने से बच्चों को और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होगी, जिससे स्कूल में बच्चों की संख्या भी बढ़ जाएगी।

- साधना हैंड्स, प्राचार्य, सीएम राइज स्कूल, बैतूल बाजार

विकासखंड स्तरीय दिव्यांग चिकित्सा मूल्यांकन शिविर संपन्न

180 विद्यार्थियों का हुआ चिकित्सा मूल्यांकन

बैतूल/मुलताई। जनपद शिक्षा केन्द्र मुलताई के तत्वाधान में कक्षा 1 से 8 अध्ययनरत दिव्यांग बच्चों का विकासखंड स्तरीय चिकित्सा मूल्यांकन शिविर बीआरसी परिसर मुलताई में संपन्न हुआ। शिविर का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गढेकर, भाजपा मंडल अध्यक्ष गणेश साहू वार्ड विकासखंड शिक्षा अधिकारी सक्षम बारमेटे, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक आशीष चंद्र शर्मा द्वारा सरस्वती एवं मां ताप्ती के छाया चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस शिविर में एल्मिकों टीम जबलपुर एवं जिला मेडिकल बोर्ड बैतूल द्वारा अमूल्यांकित बच्चों का मूल्यांकन किया गया। चिन्हांकित शिविर में बच्चों को सी.पी. चेयर, टी.एल.एम. कीट, व्हीलचेयर, ट्राई साइकिल, श्रवण यंत्र, कैलिपर्स मोबिलिटी कीट, साथ ही स्थानीय चिकित्सालय से भी चिकित्सा टीम उपस्थित रहकर विकासखंड के 180 बच्चों को शिविर में सम्मिलित बच्चों का चिकित्सा मूल्यांकन किया गया। बच्चों के साथ पालक एवं प्रत्येक शाला से एक शिक्षक भी उपस्थित हुये। चिकित्सा मूल्यांकन के पश्चात दिव्यांग बच्चों को भोजन पैकेट एवं यात्रा भत्ता के रूप 50 रुपये प्रत्येक बच्चे को दिये गये।

जल का शुद्धतम रूप प्राकृतिक, लेकिन इसमें भी कुछ अशुद्धियां स्वाभाविक : गुंजेले

ग्रीन पार्क दनोरा में तीन दिवसीय कार्यशाला संपन्न

बैतूल। होटल ग्रीन पार्क दनोरा में 18 जनवरी से 20 जनवरी तक राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के तहत समुदाय स्तरीय हितधारकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यपालन यंत्री मनोज बघेल, जिला समन्वयक भूपेंद्र मेनवे और ग्रामोद्योग संस्थान के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इसमें 10 ग्रामों की ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान जल जीवन मिशन के मास्टर ट्रेनर महेश गुंजेले ने जल की गुणवत्ता, उसकी जांच और उसके महत्व पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि जल का शुद्धतम रूप प्राकृतिक जल है, लेकिन इसमें कुछ अशुद्धियां स्वाभाविक रूप से पाई जाती हैं। उन्होंने समिति सदस्यों को पानी का पीएच मान, क्लोरीन, हार्डनेस, आयरन, नाइट्रेट, टर्बिडिटी, फ्लोराइड, अमोनिया जैसे तत्वों की जांच करना सिखाया। प्रशिक्षण में बताया गया कि रसायनिक तत्वों के अधिक उपयोग से शरीर पर कई गंभीर प्रभाव पड़ सकते हैं। बोरॉन तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है। क्लोराइड रक्तचाप बढ़ाने का कारण बनता है। नाइट्रेट से शिशुओं में ब्लू बेबी सिंड्रोम होता है। फ्लोराइड से दांतों में सड़न और

हड्डियों के विकार उत्पन्न होते हैं। इसी तरह, सोडियम, लोहा, सल्फेट, कैडमियम और आर्सेनिक जैसे तत्व भी स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं।

जल मिशन कार्यों का किया अवलोकन- प्रशिक्षण के दूसरे दिन प्रतिभागियों ने ग्राम महदगांव का भ्रमण किया। यहां ग्राम के सामाजिक और संसाधन मानचित्र तैयार किए गए। इसके साथ ही, जल जीवन मिशन के तहत हुए कार्यों का अवलोकन किया गया। तीसरे दिन जल संरक्षण, जल गुणवत्ता की निगरानी और स्थानीय कौशल विकास पर चर्चा की गई। प्रतिभागियों को हर घर जल प्रोटोकॉल के तहत जल की शुद्धता बनाए रखने और उसे समय-समय पर जांचने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर महेश गुंजेले, अंकित सिंह ठाकुर, निलेश रघुवंशी, पंचायतों के सरपंच, सचिव, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता और पंप ऑपरेटरों की अहम भूमिका रही। कार्यक्रम में बारव्ही, भडूस, नयेगांव, गोंदरी, जुनावानी, रेडवा, रोढ़ा, सांवगा, सेहरा और गढ़ा के ग्राम जल समिति सदस्य शामिल हुए।

प्यून की बेटी बनी सहकारिता विस्तार अधिकारी

शाहपुर। घोड़ाडोंगरी ब्लॉक के छोटे से गांव ग्राम भयावाड़ी के श्रीराम बेले ने अपनी छोटी सी नौकरी प्यून के पद पर रहते हुए अपने बच्चों को अच्छे संस्कारों के साथ अधिकारी बनाया। श्री त्रिलोक बेले ने बताया कि कुमारी प्रिया बेले ने तीसरे प्रयास में एमपीपीएससी 2022 क्वालीफाई कर सहकारिता विस्तार अधिकारी के पद पर चयनित हुई है। गौतम बेले हाल ही में सीआरपीएफ एस.आई. के पद पर नियुक्त हो चुका है। जिससे परिवार और क्षेत्र में श्रीराम बेले मिशाल बन गए हैं। श्रीराम बेले ने बताया कि परिश्रम ही जीवन का मूल आधार है। जहां पर हमें मेहनत के साथ-साथ अपनी मूल आवश्यकताओं की प्राथमिकता तय कर हमें अपनी आय का व्यय करना चाहिए। बता दें कि श्रीराम बेले ने आजीवन साइकिल और पैदल चलकर बच्चों को अच्छे संस्कार दिए तथा बच्चों के भविष्य निर्माण में अपनी पूंजी का निवेश किया, जो अब सकारात्मक परिणाम के साथ प्रेरणा का स्त्रोत बने हुए हैं। प्रिया को सफलता मिलते ही परिजनों का आना-जाना बना हुआ है, और घोड़ाडोंगरी ब्लॉक में हर्ष का माहौल भी बना हुआ है।

ईसीसीई का चार दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण सम्पन्न

बैतूल। शासकीय प्राथमिक शालाओं व पीएमश्री के शिक्षकों का जिला स्तरीय चार दिवसीय प्रारंभिक बाल्यावस्था की देखभाल एवं शिक्षा प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यर्क्रम का शुभारंभ डीपीसी बैतूल जितेंद्र कुमार भनारिया की अध्यक्षता किया गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा केंद्र से सभी एपीसी व बीआरसी भी उपस्थित रहें। प्रशिक्षण 18 जनवरी तक चला। इसमें दस विकासखंडों के 82 विद्यालयों के शिक्षक, शिक्षिकाओं ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सिखाया गया कि, 6 वर्ष की आयु तक बच्चे के मस्तिष्क का 85 प्रतिशत विकास हो जाता हैं, जिसके लिए सर्वांगीण विकास

के लिए पूर्व प्राथमिक शिक्षा का विशेष महत्व हैं। प्रशिक्षण में छोटे बच्चों को कैसे गतिविधियों, खेल खेल में उन्हें सिखाना है। इसके लिए प्रतिभागियों से सहायक शिक्षण सामग्री का निर्माण कराया गया और गतिविधियां कराई गई। गतिविधियों में अक्षर, भाषा, संख्या, पूर्ण अवधारणा, संख्या गिनती, रंग, आकार, कक्षा के अंदर, व कक्षा के बाहर के खेल, पहेलियाँ, तार्किक सोच, समस्या समाधान, चित्रकला, पेंटिंग, नाटक, अभिनय, सामाजिक व्यवहारों से संबंधित खेलों को भी सम्मिलित किया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला शिक्षा केंद्र से एपीसी सुश्री मीणा यादव (एमटी), प्रशिक्षक रितेश कुमार पठाडे बैतूल, रमेश कुमार पवार, दिनेश सरयाम मुलताई एवं सभी प्रतिभागी उपस्थित रहे। कार्यक्रम पश्चात सभी को उपस्थिति पत्रक दिया गया।

प्रशासन करें त्रुटि सुधार, नगर वासियों को भी मिले स्वामित्व अभिलेख का लाभ

पूर्व मंत्री पांसे ने कहा राजस्व मंत्री के आश्वासन के बाद भी नगर वासियों को नहीं मिल रहा लाभ

बैतूल/मुलताई। शासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचलित आबादी के हितग्राहियों को स्वामित्व अभिलेख प्रदान किए जा रहे हैं, किंतु मुलताई नगर के आबादी क्षेत्र लोगों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है। स्थानीय प्रशासन मुलताई नगर की प्रचलित आबादी की गलत की गई कार्यवाही को निरस्त कर स्वामित्व अभिलेख प्रदान करे और इस समस्या का स्थाई हल निकाले। उक्त बात पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे ने जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपने तहसील कार्यालय पहुंचे अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनीता पटेल से कही। पूर्व मंत्री ने एसडीएम को बताया कि इस संबंध में उन्होंने जब विधानसभा प्रश्न उठाया था तो मध्य प्रदेश शासन और राजस्व मंत्री ने स्वीकार किया था कि मुलताई नगरीय क्षेत्र की भूमि आबादी क्षेत्र में शामिल है किंतु इसके बावजूद भी नगर को आबादी क्षेत्र मानकर इसका लाभ नगर वासियों को नहीं मिल पा रहा है। जिला कलेक्टर के नाम सौंपे गए इस ज्ञापन में कहा गया है कि बैतूल जिले की ग्रामीण क्षेत्र की प्रचलित आबादी के 43500 हितग्राहियों को स्वामित्व अधिकार के अभिलेख प्रदान किये गये जिन्हें मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता के

अनुसार पूर्व से ही स्वामित्व का अधिकार प्राप्त था। ठीक इसी तरह मुलताई नगर के प्रचलित आबादी खसरा में भी उनमें निवासरत नागरिकों को स्वामित्व अधिकार राजस्व संहिता देती है। मुलताई के नागरिकों के लिए मैंने पूर्व में सड़क से विधानसभा तक लड़ाई लड़ कर भाजपा शासन को विधानसभा में दिनांक 10 मार्च 2022 को अपने तारांकित प्रश्न क्रमांक 1527 के माध्यम से प्रश्न पुछा था जिसमें तत्कालीन राजस्व मंत्री द्वारा मुलताई वासियों का स्वामित्व का अधिकार स्वीकारा गया था। विधान सभा प्रश्न की छायांकित प्रतिलिपि संलग्न है। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा एक योजना के तहत आवेदन भी बुला लिये गये थे लेकिन आवेदन बुलाने के बाद प्रशासन द्वारा स्वामित्व की प्रचलित आबादी से इंकार कर मनमानी कर विधि विरुद्ध प्रचलित आबादी में ही नजूल प?ट्टे लेने को नागरिकों को मजबूर कर रहा है। ज्ञापन सौंपने वालों में मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य संजय यादव, कमल सोनी प्रहलाद ठाकुर, सुमित शिवहरे, शिवकुमार माहौरे, आशीष जैन, मो.जाकिर , रवि खाड़े, नितेश साहू आदि प्रमुख है।

कांग्रेस के मीडिया, सोशल मीडिया, रिसर्च और विचार विभाग के तालमेल से संगठन में गति लाने बनी रणनीति

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस संगठन में गति लाने के लिए प्रदेश कांग्रेस के संगठन उपाध्यक्ष पूर्व मंत्री प्रियव्रत सिंह, संगठन महामंत्री डॉ.संजय कामले और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के राजनीतिक सलाहकार राजीव सिंह की उपस्थिति में प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग, रिसर्च एंड कम्युनिकेशन, सोशल मीडिया और कांग्रेस के विचार विभाग की संयुक्त बैठक संपन्न हुई।

बैठक में इन विभागों के अध्यक्ष सर्वश्री मुकेश नायक, अभय तिवारी, भूपेंद्र गुप्ता, चंचलेश व्यास और प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव बरोलिया प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। विभागों के अध्यक्षों के साथ के साथ हुई बैठक में प्रदेश कांग्रेस के इन विभागों के तालमेल से संगठन में गति लाने के लिए रणनीति तैयार की गई।

प्रदेश कांग्रेस महामंत्री संगठन डॉ.संजय कामले ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग, सोशल मीडिया, कम्युनिकेशन और विचार विभाग मिलकर कांग्रेस संगठन में गति लाने के लिए पूरी सक्रियता, आपसी तालमेल और समन्वय बनाकर करेंगे, जिसकी कयावद शुरू कर दी गई है।

उज्जैन-भोपाल-उज्जैन स्पेशल पैसेंजर के फेरे विस्तारित

भोपाल। यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे भोपाल मंडल के भोपाल से उज्जैन के मध्य चलाई जा रही ट्रेन न. 09313/09314 उज्जैन भोपाल- उज्जैन स्पेशल के फेरे तत्काल प्रभाव से पुनः विस्तारित किए गए है।

ट्रेन न.09313 उज्जैन - भोपाल स्पेशल ,उज्जैन से 31 जनवरी, 2025 तक तथा ट्रेन न. 09314 भोपाल - उज्जैन स्पेशल 01 फरवरी, 2025 तक प्रतिदिन चलेगी। इस ट्रेन के आगमन/प्रस्थान समय, ठहराव आदि में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

चुनार स्टेशन तक बढ़ाई गई इटारसी-प्रयागराज छिवकी ट्रेन के फेरों में वृद्धि

भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा महाकुम्भ मेला के अवसर पर अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए इटारसी-प्रयागराज छिवकी-इटारसी एक्सप्रेस ट्रेन को चुनार स्टेशन तक चलाने का निर्णय लिया गया था। प्रयागराज छिवकी से चुनार के मध्य चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेन के फेरों में बढ़ोत्तरी की गई है। अर्थात जिन तिथियों में यह ट्रेन चुनार तक नहीं जा रही थी अब उन तिथियों में भी चुनार तक चलाई जाएगी, जिसका विवरण निम्न है।

अब गाड़ी संख्या 11273 इटारसी-प्रयागराज छिवकी एक्सप्रेस ट्रेन दिनांक 19 जनवरी 2025 से 27 फरवरी 2025 तक निरंतर प्रतिदिन चुनार तक चलाई जाएगी। यह ट्रेन इटारसी स्टेशन से 17:15 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन सुबह प्रयागराज छिवकी 09:55 बजे पहुँचकर, 10:15 बजे प्रस्थान कर, मेजा रोड 11:10 बजे, माण्डा रोड 11:30 बजे, विन्ध्याचल 11:58 बजे, मिर्ज़ापुर 12:13 बजे पहुँचकर, दोपहर 13:30 बजे चुनार स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 11274 प्रयागराज छिवकी-इटारसी एक्सप्रेस ट्रेन दिनांक 20 जनवरी 2025 से 28 फरवरी 2025 तक निरंतर प्रतिदिन चुनार से चलाई जाएगी। यह ट्रेन चुनार स्टेशन से सायं 16:30 बजे प्रस्थान कर मिर्ज़ापुर 16:55 बजे, विंध्याचल 17:13 बजे, माण्डा रोड रोड 17:45 बजे, मेजा रोड 18:08 बजे, प्रयागराज छिवकी 19:45 बजे पहुँचकर तथा रात्रि 20:15 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन सुबह 11:30 बजे इटारसी स्टेशन पहुंचेगी।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने डिप्टी कलेक्टर के पद पर चयनित सुश्री आयशा अंसारी को किया सम्मानित

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग 2022 में डिप्टी कलेक्टर के पद पर चयनित हुई रीवा की बेटी और ऑटो चालक पिता का मान बढ़ाने वाली आयशा अंसारी को सम्मानित किया द्य श्री राजेंद्र शुक्ल ने बधाई देते हुए उन्हें शुभकामनाएं भी दीं।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा की

शिवराज ने वरिष्ठ अधिकारियों से कृषि मुद्दों पर राज्य सरकारों के साथ लगातार संपर्क में रहने को कहा

नईदिल्ली। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कृषि मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कृषि मुद्दों पर समीक्षा बैठक की। समीक्षा बैठक में रबी की बुआई की प्रगति, मौसम की स्थिति, राष्ट्रीय कीट सर्वेक्षण प्रणाली (एन.पी.एस.एस.) के माध्यम से कीट सर्वेक्षण, कृषि उत्पादों के आयात और निर्यात सहित विपणन से संबंधित कई मुद्दे पर चर्चा हुई।

श्री चौहान ने कहा कि कृषि मुद्दों पर वह स्वयं साप्ताहिक बैठक करने के अलावा, वह समय-समय पर कृषि मंत्रियों के स्तर पर राज्य सरकारों के साथ भी बैठकें करेंगे। उन्होंने अधिकारियों से भी कहा कि इन मुद्दों पर राज्य सरकारों के साथ लगातार जुड़े रहें, क्योंकि जमीनी स्तर पर मुद्दों को संबोधित करने के लिए राज्य सरकार के अधिकारियों की भागीदारी की आवश्यकता होगी।

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि 17 जनवरी 2025 तक कुल बोया गया क्षेत्र 640 लाख हेक्टेयर है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 637.49 लाख हेक्टेयर की तुलना में 2.51 लाख हेक्टेयर अधिक है। समग्र फसल कवरेज और फसल की स्थिति पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर है। रबी टमाटर, प्याज और आलू (टी.ओ.पी.) की बुआई चल रही है और आज (सोमवार) तक टी.ओ.पी. फसलों की बुआई पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में अधिक है।

गेहूं (0.46 प्रति.), सरसों (0.14 प्रति.), सोयाबीन (0.25 प्रति.) की मंडी कीमतें सप्ताह-दर-सप्ताह बढ़ी हैं। जबकि अरहर (1.22 प्रति.), चावल (1.20 प्रति.) चना (0.67 प्रति.), आलू (6.34 प्रति.) और टमाटर (6.79 प्रति.) की मंडी कीमतों में सप्ताह-दर-सप्ताह गिरावट आई है। फिलहाल बाजार में गेहूं, चावल, चना, सरसों और तिल की कीमत न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) से ज्यादा मिल रही है।

स्वास्थ्य विभाग में कुपोषित बच्चों के लिए 7 करोड़ की राशि

चम्मच और जग की खरीदी में चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट: जीतू पटवारी

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने सीधी की विधायक श्रीमती रीति पाठक द्वारा एक कार्यक्रम के दौरान प्रदेश सरकार और खासकर स्वास्थ्य विभाग में हुये भ्रष्टाचार की पोल खोलते हुये स्वयं प्रदेश सरकार के सामने 7 करोड़ की राशि गुम हो जाने और उसे ढूढ़ने का आग्रह करते हुये कहा कि मुख्यमंत्री अधोसंरचना के तहते 7 करोड़ की राशि जिला अस्पताल के लिए मिली थी, लेकिन स्वास्थ्य विभाग ने उस राशि को कहा गुम कर दिया, उसका आज तक कोई अता-पता नहीं है, उन्होंने यहां तक कहा कि सीधी में जिला अस्पताल की व्यवस्थाएं चरमराई हुई हैं।

श्री पटवारी ने प्रदेश की भ्रष्टाचारी सरकार पर हमला बोलते हुये कहा कि पिछले 20 साल से प्रदेश में भाजपा की सरकार है, जो भ्रष्टाचार में पूरे देश में नंबर वन पर है। यहां उनकी ही सरकार में मुख्यमंत्री से मंत्री, मंत्री से विधायक और विधायक से जनता दुखी और हताश है। भाजपा राज में पूरी प्रदेश की सत्ता भ्रष्टचार की भेंट चढ़ गई है।

श्री पटवारी ने कहा कि प्रदेश के आंगनबाड़ियों में कुपोषित बच्चों को मिलने वाले पोषण आहार में तक भ्रष्टाचार हो रहा है तो यह सरकार किसे छोड़ेगी। जिस प्रकार सांप अपने बच्चों को खा जाता है, उसी प्रकार यह सरकार प्रदेश के कुपोषित बच्चों को काल के गाल में धकेलने में कोई कसर नहीं छोड़ रहीं हैं, इसलिए प्रदेश भ्रष्टाचार और कुपोषण में नंबर वन पर है।

श्री पटवारी ने कहा कि तत्कालीन शिवराज सरकार में सिंहस्थ मेले के दौरान सामग्री खरीदी में करोंड़ों रूपयों को भ्रष्टाचार सामने आया था, जिसमें 400 रूपये का मटका 4000 रूपये में खरीदा गया था, नर्मदा किनारे वृक्षारोपण में करोड़ों रूपयों का भ्रष्टाचार उजागर हुआ था, जिसमें 100 रूपये का ट्रीगाड 1500 रूपयें में खरीदी गया ऐसी अनेकों सामग्री है जिसमें निर्धारित दर से 10 गुना से अधिक की दर से खरीदी कर भारी भ्रष्टाचार किया गया और अब कुपोषित बच्चों के लिए खरीदी गई सामग्री जिसमें 10 रू. की चम्मच 810 रूपयें में खरीदी गई, 100 रूपये का सर्विंग स्पून 1247 रूपये में और 400 रूपये का जग 1348 रूपये में खरीदा गया। यानि भाजपा राज में भ्रष्टाचार की कोई सीमा ही नहीं बची है।

श्री पटवारी ने कहा कि सीधी जिले की विधायक रीति पाठक ने सार्वजनिक मंच से प्रदेश में व्याप्त भ्रष्टाचार और जनप्रतिनिधियों की अनदेखी पर कड़ा ऐतराज लगाते हुये पड़ोसी जिले रीवा के विधायक, प्रदेश के उप मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री को उनके द्वारा लिखे पत्रों का जवाब न देने और मुख्यमंत्री द्वारा स्वीकृत राशि के गबन का आरोप सीधे तौर पर अपनी ही सरकार पर लगाया है। श्रीमती पाठक ने सरकार पर आरोप लगाते हुये यहां तक कहा कि प्रदेश की सत्ता बेलगाम और अराजक हो चुकी है, जहां जनप्रतिनिधियों की आवाज को दबाया जा रहा है और जनता के लिए आवंटित धन का दुरुपयोग किया जा रहा है।

श्री पटवारी ने श्रीमती पाठक द्वारा सरकार की पोल खालते हुये मंच से बेबाकी से कहा गया कि सरकार द्वारा जारी की गई राशि कुपोषित बच्चों के कल्याण के लिए थी, लेकिन प्रशासनिक लापरवाही और भ्रष्टाचार के कारण वह राशि जनता तक नहीं पहुंच पा रही है। यह प्रदेश के लिए दुर्भाग्यजनक और कुपोषित बच्चों के जीवन को नरक में धकेलने की सरकार की कुंचित मानसिकता का परिणाम है।

श्री पटवारी ने कहा कि विधायक श्रीमती पाठक ने कई बार उप मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखकर मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया, लेकिन किसी भी पत्र का जवाब उन्हें नहीं दिया गया, इससे साफ जाहिर होता है कि सरकार में भ्रष्टाचार और लापरवाही चरम सीमा पर है। श्रीमती पाठक ने सरकार को चेतावनी दी कि मामले में उचित कार्रवाई नहीं की गई तो वह जनता के बीच जाएंगी और इस भ्रष्टाचार के खिलाफ जनांदोलन छेड़ेंगी।

श्री पटवारी ने पर्ची से बने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सवाल करते हुये कहा कि प्रदेश की जनता भ्रष्टाचार का सरकार से जवाब मांग रही हैं, आखिर कब तक जनता के हक की राशि भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती रहेगी।

एम्स भोपाल में सिकल सेल से पीड़ित माँ के जुड़वा बच्चों की देखभाल, दादी-नानी का प्यार बना सहारा

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, संस्थान ने एक बार फिर चिकित्सा अनुसंधान और स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता को साबित किया है। हाल ही में, एम्स भोपाल में पारिवारिक सहयोग का एक प्रेरणादायक उदाहरण सामने आया, जब सिकल सेल से पीड़ित एक माँ ने निर्धारित समय से दो महीने पहले जुड़वा बच्चों को जन्म दिया। पारिवारिक देखभाल और सहयोग के एक उल्लेखनीय प्रदर्शन में, नानी और दादी ने माँ के प्रसवोत्तर स्वास्थ्य लाभ के दौरान नवजात शिशुओं की समर्पित देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन जुड़वाँ बच्चों का जन्म निर्धारित समय से दो महीने पहले हुआ था, लेकिन अस्पताल की देखभाल और परिवारजनों के सहयोग से बच्चे एवं माँ पूरी तरह स्वस्थ हैं। यह उदाहरण स्वास्थ्य देखभाल में परिवार की अहम भूमिका को दर्शाता है।

प्रो. सिंह ने पारिवारिक सहयोग के महत्व पर जोर देते हुए कहा, भारतीय संस्कृति गहरे रूप से परिवार-केंद्रित है, जो अस्पताल में भर्ती शिशुओं और माताओं के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होती है। दादी-नानी की उपस्थिति न केवल भावनात्मक बल्कि शारीरिक सहायता भी प्रदान करती है, जिससे नवजातों को निरंतर देखभाल और प्रेम मिलता है। एम्स भोपाल में हम दादी- नानी को कंगारू मदर केयर में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, जो समयपूर्व जन्मे शिशुओं के स्वास्थ्य में बेहद सहायक है। कंगारू मदर केयर (केएमसी) एक ऐसी विधि है जिसमें

माँ और नवजात शिशु के बीच त्वचा-से-त्वचा का संपर्क होता है। यह विधि विशेष रूप से समय से पहले जन्मे या कम वजन वाले बच्चों के लिए प्रयोग की जाती है। यह पद्धति शिशु मृत्यु दर को कम करने और बच्चे के स्वास्थ्य में सुधार लाने में सहायक होती है। इस मामले में परिवार ने इस सुविधा का पूरा लाभ उठाया, जहाँ दादी और नानी दोनों को बच्चों की देखभाल के लिए पूर्णकालिक प्रवेश की अनुमति दी गई।

एम्स भोपाल की पीएचडी शोधार्थी ने तीसरा म.प्र.पीएचडी कोलोक्वियम में प्रथम पुरस्कार जीता

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह संकाय सदस्यों और छात्रों के बीच अकादमिक उत्कृष्टता और ज्ञान-साझाकरण की संस्कृति को सदैव बढ़ावा देते रहते हैं। हाल ही में, संस्थान की पीएचडी शोधार्थी, सुश्री आकांक्षा भट्टाचार्य (जैव रसायन विभाग) ने 3थर्ड मध्य प्रदेश पीएचडी कोलोक्वियम में अपनी असाधारण शोध प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। यह प्रतिष्ठित आयोजन, जिसका विषय स्वास्थ्य, आयुष सहित, था, अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन और नीति विश्लेषण संस्थान (एआईजीजीपीए), भोपाल द्वारा आयोजित किया गया था। सुश्री भट्टाचार्य के अनुसंधान का मुख्य उद्देश्य मौखिक कैंसर की प्रारंभिक जांच के लिए गैर-आक्रामक लार जैवचिह्नकों का विकास करना है। यह नवीन शोध एम्स भोपाल के प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार की देखरेख में किया गया है। यह शोध बिना चीर-फाड़ वाली विधियों के माध्यम से मुंह के कैंसर की जांच को अधिक सरल और उन्नत बनाने का प्रयास कर रहा है।

सीएम राइज स्कूल में कान्वेंट स्कूलों जैसी मिलेगी शिक्षा :उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

पीके सीएम राइज स्कूल रीवा में बस सेवा का किया शुभारंभ

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि सीएम राइज स्कूल में आधुनिक शिक्षा के लिए सभी संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इन स्कूलों में गरीब परिवार सहित सभी बच्चों को कान्वेंट स्कूलों जैसी शिक्षा मिलेगी। पीके सीएम राइज स्कूल में 54 करोड़ रुपए की लागत से सर्वसुविधायुक्त भवन बनाया जा रहा है। इसमें लगभग पाँच हजार छात्राओं को अच्छी शिक्षा की सुविधा मिलेगी। सीएम राइज पीके स्कूल रीवा में उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने बस सेवा का शुभारंभ किया। उन्होंने चार बसों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

डिप्टी कलेक्टर का पद पर चयनित सुश्री आयशा अंसारी को किया सम्मानित – उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि भवन निर्माण पूरा होने पर यहाँ से 18 बसें संचालित करके आसपास के 10 किलोमीटर की परिधि की छात्राओं को आवागमन की सुविधा देकर शिक्षा दी जाएगी। पीके स्कूल रीवा शहर का गौरव है। इसमें आधुनिक मैकेनाइज्ड किचन तथा ऑडिटोरियम का भी निर्माण कराया जा रहा है। इसी स्कूल की छात्रा सुश्री आयशा अंसारी ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सफलता प्राप्त करके डिप्टी कलेक्टर का पद पाया है। उप मुख्यमंत्री ने सुश्री आयशा अंसारी को सम्मानित किया। नगर निगम अध्यक्ष श्री व्यंकटेश पाण्डेय स्थानीय जनप्रतिनधिगण, शिक्षकगण तथा छात्राएं उपस्थित रहीं।

स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के लिए संसाधन के साथ सेवा भावना आवश्यक: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के लिए हर संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। डॉक्टर और अन्य चिकित्साकर्मी सेवा की भावना से रोगियों का तत्परता से उपचार कर इसे सार्थक बनाएं। रीवा का सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल जटिल रोगों का उपचार लगातार सफलतापूर्वक कर रहा है। इस अस्पताल को हर आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराये गये हैं। जिसके फलस्वरूप ओपन हार्ट सर्जरी तथा किडनी ट्रांसप्लांट जैसे आपरेशन भी यहाँ हो रहे हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा के करहिया नम्बर-दो में 60 लाख रुपए की लागत से निर्मित उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन का लोकार्पण किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने के लिए लगातार स्वास्थ्य संस्थाओं का निरीक्षण करें। इनमें यदि संसाधनों की कमी है तो उसे पूरा कराया

जाएगा। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के पास जनकल्याण के लिए धनराशि की कोई कमी नहीं है। यहाँ अगडाल में स्वास्थ्य केन्द्र भवन की माँग रखी गई। इसे तत्काल मंजूर कर दिया गया है। दो-तीन दिनों में इसका कार्य शुरू हो जाएगा। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, अध्यक्ष नगर निगम श्री व्यंकटेश पाण्डेय, सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण तथा आमजन उपस्थित रहे।

लोकमाता अहिल्या देवी की नगरी महेश्वर में होगी अगली मंत्रि-परिषद की बैठक: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वर्ष 2025 मालवा की महारानी पुण्यश्लोका अहिल्या देवी का 300वां जयंती वर्ष है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने देवी अहिल्या माता की 300वीं जयंती मनाने का निर्णय लिया है। इस उपलक्ष्य में हम पूरे वर्ष अलग-अलग कार्यक्रम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंत्रि-परिषद की अगली बैठक मालवा की महारानी लोकमाता अहिल्या देवी को समर्पित की जाएगी। उन्होंने बताया कि मंत्रि-परिषद की बैठक 24 जनवरी को लोकमाता की राजधानी रही धार्मिक नगरी महेश्वर में होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को जारी अपने संदेश में यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकमाता अहिल्या देवी का जीवन धार्मिकता, त्याग और करुणा का प्रतीक था। वे न केवल एक कुशल शासिका थीं, बल्कि एक आदर्श नारी और माता भी थीं। लोकमाता अहिल्या देवी के शासनकाल, उनकी कर्तव्यपरायणता, धर्म परायणता, सुशासन, दानशीलता, धार्मिकता आदि गुणों से हमें सद्मार्ग और सुशासन के जरिए लोक-कल्याण की असीम ऊर्जा और प्रेरणा मिलती है। उनके व्यक्तित्व की आभा से पूरा समाज आज भी उन्हें अत्यंत श्रद्धा से देखता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की पावन धरा वह स्थान है, जहां रानी दुर्गावती, लोकमाता अहिल्या देवी, सम्राट विक्रमादित्य और राजा भोज जैसे प्रतापी एवं सुशासन लाने वाले शासक हुए हैं। इनके नाम और काम पर मध्यप्रदेश सदैव गौरवान्वित होता आया है। इस संदर्भ में महिला शासिका लोकमाता अहिल्या देवी का नाम भी अजर-अमर है। उनके नाम पर समर्पित मंत्रि-परिषद की बैठक में हम जनकल्याण से जुड़ी कई नवीन योजनाओं को मंजूरी देने जा रहे हैं। उन्होंने प्रदेश की जनता से अपील की कि हम सब मालवा की लोकमाता अहिल्या देवी के पुण्य स्मरण में शामिल हों। वे स्वयं और सभी मंत्रीगण मिलकर अहिल्या माता को समर्पित मंत्रिपरिषद की बैठक के लिए महेश्वर जाएंगे और यही लोकमाता को, उनके सद्कार्यों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मेंटेनेंस लायक नहीं पार्वती ब्रिज, नया बनेगा

भोपाल–राजगढ़ की बॉर्डर पर है पुल ; दोनों ओर मिट्टी डालकर रोका रास्ता

भोपाल (नप्र)। भोपाल और राजगढ़ जिले की सीमा पर पार्वती नदी पर बना 49 साल पुराना पुल मेंटेनेंस लायक भी नहीं है। एमपीआरडीसी (मप्र सड़क विकास निगम) की रिपोर्ट में इस ब्रिज से ट्रैफिक जारी रहने की स्थिति में जान-माल की हानि होने की आशंका जताई गई है। वहीं, नए ब्रिज को बनाने का सुझाव दिया है। ऐसे में अब वैकल्पिक रास्ते को जल्दी बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

ब्रिज का एक हिस्सा धंस गया है। इस वजह से गुरुवार की रात से ही ब्रिज के ऊपर से आवागमन बंद कर दिया गया है। शुक्रवार को एमपीआरडीसी के 15 इंजीनियरों की टीम ने ब्रिज की जांच भी की थी। टीम ने वैकल्पिक रास्ते को बनाने पर जोर दिया था। इसलिए स्टॉप डैम के पास भरे पानी को उलिचा जा रहा है। हालांकि, वैकल्पिक रास्ते को बनने में एक सप्ताह का समय लग सकता है। तब तक के लिए रास्ता पूरी तरह से बंद कर दिया गया है।बता दें यह पुल बैरसिया-नरसिंहगढ़ रोड पर है और 1976 में बनाया गया था। पुल बंद होने से यातायात पर असर पड़ा है।

रात में चोरी-छुपे निकली गाड़ी, मिट्टी डाली– शनिवार की रात में दो-तीन गाड़ियां चोरी-छुपे ब्रिज के ऊपर से निकल गई। इसके वीडियो भी सामने आए। इसलिए रविवार से ब्रिज के दोनों ओर मिट्टी डाल दी गई। ताकि, कोई भी ब्रिज के ऊपर से नहीं निकल सके।

एसडीएम ने एमपीआरडीसी को लिखा था लेटर– ब्रिज को लेकर एसडीएम आशुतोष शर्मा ने एमपीआरडीसी के संभागीय प्रबंधक को लेटर भी लिखा था। लेटर में लिखा था कि पार्वती पुल क्षतिग्रस्त हो गया है। पुल से आवाजाही के कारण जान-माल के नुकसान की आशंका है। प्रारंभिक रूप से इस ब्रिज के पिलर के नीचे बड़ा गड्ढा हो गया है। इसलिए जरूरी है कि नरसिंहगढ़-बैरसिया आने-जाने वाले वाहनों की आवाजाही पूर्ण रूप से बंद कर दिया जाए। इसके बाद ब्रिज से आवागमन पूरी तरह से बंद कर दिया गया है।

नरसिंहगढ़ से कुरावर होकर भोपाल आ-जा रहे– जानकारी के अनुसार, मंगलगढ़ और बरायठा के बीच में पार्वती नदी पर बना पुल क्षतिग्रस्त हो गया है। नरसिंहगढ़ से नजीराबाद जाने के लिए इस मार्ग का इस्तेमाल न करते हुए लोग देवगढ़, कुरावर होते हुए भोपाल जा रहे हैं।

दो साल पहले की गई थी मरम्मत– पार्वती नदी पर बना ये पुल राजगढ़ और भोपाल जिले की सीमा पर है। यह नरसिंहगढ़ को नजीराबाद, बैरसिया, विदिशा और भोपाल से जोड़ता है। इसकी दो साल पहले ही मरम्मत की थी। पुल के एक तरफ बैरसिया और दूसरी तरफ नरसिंहगढ़ तहसील है।

मंदिरम्

17

येदियुरू सिद्धलिंगेश्वर मंदिर

येदियुरू सिद्धलिंगेश्वर मंदिर एक तीर्थस्थल है जो भारत के कर्नाटक राज्य के कुनिगल कस्बे के येदियुरू गांव में स्थित है। इसमें 15वीं शताब्दी के अंत में फले-फूले श्रद्धेय लिंगायत संत टोंटाडा सिद्धलिंग की निर्विकल्प शिवयोग समाधि शामिल है। श्री सिद्धलिंगेश्वर स्वामी, लिंगायत शिव शरण परंपरा के मार्ग में एक महान श्रद्धेय शरण संत हैं, जो जीवन के तत्व के प्रसार की परंपरा है, जिसे वचन कहा जाता है। उन्होंने दूर-दूर तक यात्रा करके शरण धर्म का प्रचार किया, जो मुख्य रूप से इष्ट लिंग (आत्म लिंग) के साथ प्रार्थना करना है, जैसा कि बसवन्ना, अल्लामप्रभु और जीवन के सभी क्षेत्रों (वर्तमान बीजापुर जिले में 12वीं शताब्दी) के विद्वान पुरुषों और महिलाओं के एक विशाल समूह द्वारा कल्पना की गई थी। उन्होंने वोक्कालिगारा नांबियाना (थोटा) के एक बगीचे में 12 साल तक तपस्या की और इसलिए उन्हें थोंटाडा सिद्धलिंगेश्वर स्वामी के नाम से जाना जाने लगा। वह मुरुगी मुथा के प्रमुख थे और उनके बड़ी संख्या में अनुयायी थे।

लाखों की चोरी करने के बाद खुद सोच में पड़ गए चोर

● इतने रुपयों का क्या करें! पहली बार देखा इतना पैसा ● 10.50 लाख रुपये, 54.50 लाख के जेवर जब्त

रतलाम (नप्र)। दीनदयाल नगर निवासी पानी की केन की सप्लाई तथा फेंसी ड्रेस के व्यापारी सुनील मूणत के घर हुई लाखों रुपयों की चोरी की वारदात का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर पर्दाफाश कर दिया है। चोरी करने के बाद साथी आरोपित बड़ोदरा (गुजरात) वहां से इंदौर भाग गए थे। इंदौर में उन्होंने दो आईफोन खरीदे थे। पुलिस ने नौकर व उसके दोनों साथियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 54.50 लाख के सोने चांदी के जेवर व 10.50 लाख के जेवर जब्त किए हैं।

यह है पूरा मामला- उल्लेखनीय है कि व्यापारी सुनील मूणत निवासी बी-18 दीनदयाल नगर के पुत्र अंशुल मूणत की शादी का कार्यक्रम 17 जनवरी से चल रहा था। 18 जनवरी को सागोद रोड स्थित चंपा विहार मैरिज गार्डन में महिला संगीत कार्यक्रम था। परिवार घर पर ताला लगाकर महिला संगीत कार्यक्रम में गया हुआ था।

तभी रात 11 से 12 बजे के बीच चोर पड़ोसी के घर के बाहर लगे पाइप के सहारे व्यापारी के घर के फर्स्ट फ्लोर पर चढ़कर गैलरी किचन की खिड़की का कांच तोड़कर घर में घुसे थे। अलमारी से 12 लाख रुपये व करीब 53 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवर चुराकर ले गए थे। रात करीब 12.30 बजे सुनील मूणत व उनके स्वजन घर पहुंचे तो सामान बिखरा था तथा अलमारी में जेवर व रुपये नहीं थे।

सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की थी। जांच में पाया गया कि चोरी व्यापारी के घर व दुकान पर काम करने वाले नौकर आरोपित 24 वर्षीय पवन डोडियार पुत्र गौतम डोडियार निवासी ग्राम मोखमपुरा थाना बजाना ने अपने दो साथियों 20 वर्षीय अनिल डामोर पुत्र रतन डामोर व 19 वर्षीय अमृतलाल देवड़ा पुत्र भूरलाल देवड़ा दोनों निवासी ग्राम तालाबबोर्डी थाना शिवगढ़ से कराई थी। इसके बाद सोमवार सुबह तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। उनके पास से सोने की चार डली, चांदी की छह सिली, सोने, चांदी के जेवर, दो आईफोन व 10.50 लाख रुपये जब्त किए गए हैं।

चार माह से करा रहा था रैकी, खुद कार्यक्रम में था- नौकर पवन का पता था कि व्यापारी के घर सोना-चांदी व रुपये रहते हैं। उसके मन में लालच आ गया था। लालच के चलते उसने दोस्तों अनिल व अमृतलाल को चोरी करने के लिए उकसाया तथा कहा कि काफी माल मिलेगा। बार-बार उकसाने पर वे वारदात करने के लिए तैयार हो गए। वह उनसे चार माह से घर की रैकी करा रहा था। उसने जब देखा कि पूरा परिवार शादी कार्यक्रम में मैरिज गार्डन में व्यस्त है तो उसने साथियों को वारदात करने के लिए कहा। वह खुद मैरिज गार्डन में कार्यक्रम में था ताकि किसी को उस पर शक न हो। उधर दोस्त पिट्ठू बैग लेकर व्यापारी के घर पहुंचे थे तथा वारदात कर भाग निकले थे।

उज्जैन जाने वाले थे, गलती से बड़ोदरा की ट्रेन में बैठ गए थे- वारदात करने के बाद अनिल व अमृतलाल इधर-उधर घूमते रहे तथा उज्जैन जाने की योजना बनाई। वे रात में रेलवे स्टेशन पहुंचे तथा उज्जैन के टिकट लिए, लेकिन हड़बडाहट में वे बड़ोदरा वाली ट्रेन में बैठ गए। बड़ोदरा से वे वापस रतलाम आए और इंदौर चले गए। वहां उन्होंने 2.40 लाख रुपये के दो आईफोन खरीदे। वे वापस रतलाम आने वाले थे। तभी पुलिस ने इंदौर में ही घेराबंदी कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं पवन पर पहले थे शंका थी तो उससे पूछताछ की जा ही थी। उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया।

समझ नहीं पा रहे थे इतने रुपयों का क्या करें- पूछताछ में अनिल व अमृतलाल ने बताया कि मजदूरी करते हैं। मजदूरी करने के दौरान ही उनकी पवन से दोस्ती हुई थी। इतना रुपया वे सोना-चांदी देखकर वे बहुत खुश थे तथा समझ नहीं पा रहे थे, कि इतने रुपयों व माल का क्या करें। उन्होंने कभी एक हजार रुपये एक साथ में नहीं देखे थे। वे रतलाम आकर जेवर भी बेचने वाले थे, लेकिन उसके पहले ही पकड़े गए। उधर, पवन ने पूछताछ में बताया कि उसने फिल्में व टीवी सीरियलों से चोरी करवाकर धनवान बनने का प्लान बनाया था। किसी फिल्म या सीरियल में टॉवेल रखकर कांच तोड़ना बताया था ताकि कांच के टूकड़े उडने से चोट न लगे। उसने अनिल व अमृतलाल को ही यह आइडिया दिया था। उन्होंने खिड़की के कांच उस पर टॉवेल रखकर ही तोड़ा था।

मप्र सरकार का बजट सत्र ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के बाद

25 को भोपाल आएंगे पीएम, 27 फरवरी से 4 मार्च के बीच किसी तारीख पर होगा शुरू

भोपाल (नप्र)। विधानसभा का बजट सत्र फरवरी में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के बाद शुरू होगा। 31 मार्च के पहले तक चलने वाले सत्र की अवधि कम से कम बीस दिन रखने की तैयारी है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के बीच जनवरी के अंतिम सप्ताह में होने वाली चर्चा के बाद सत्र की तिथि का निर्धारण किया जाएगा। इसे राज्यपाल मंगू भाई पटेल की स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा।

विधानसभा का बजट सत्र इस साल फरवरी में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के चलते 26 फरवरी के बाद ही शुरू होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का शुभारंभ करने 25 फरवरी को भोपाल आने वाले हैं। इसलिए मोहन सरकार समिट के बाद बजट सत्र बुलाने पर सहमत है। बताया जाता है कि पिछले दिनों सीएम डॉ मोहन यादव ने विधानसभा सचिवालय के अफसरों से इसको लेकर बातचीत की थी। तब फरवरी के अंतिम सप्ताह में विधानसभा सत्र बुलाने का प्रस्ताव आया था। इस पर सीएम यादव ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का जिक्र कर इसके बाद सत्र की बैठकें बुलाने के संकेत दिए थे। इसी कारण अब तक सत्र की तारीखों पर अंतिम निर्णय नहीं हो सका है।

4 मार्च से शुरू हो सकता है सत्र- बजट सत्र को लेकर जो प्रस्तावित तारीखें सामने आई हैं, उसमें पहली 24 फरवरी है। लेकिन ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के कारण इसे टाल दिया गया है। दूसरी प्रस्तावित तारीख 4 मार्च है। लेकिन चूंकि अभी इसे मंजूर नहीं किया गया है, इसलिए बजट सत्र की तारीख के बारे में अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। यह भी बताया जा रहा है कि जनवरी के अंतिम सप्ताह में मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष की मुलाकात के बाद 27 फरवरी से 4 मार्च के बीच किसी भी तारीख से बजट सत्र बुलाया जा सकता है।

एक माह पहले जारी होगी अधिसूचना- विधानसभा का बजट सत्र शुरू होने के एक माह पहले राज्यपाल की अनुमति के बाद अधिसूचना जारी की जाएगी। इसमें विधायकों द्वारा किए जाने वाले ऑनलाइन और ऑफलाइन सवालों के साथ ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर चर्चा और अन्य सूचनाओं के बारे में समय तय किया जाएगा। इधर सत्र की तैयारियों के बीच विधानसभा में लंबित आश्वासनों के जवाब मांगने और विभागों की ओर से जानकारी भेजने का काम तेज हो गया है।

जबलपुर में बुजुर्ग महिला को डिजिटल अरेस्ट कर ऐंठे 35 लाख रुपये

एसबीआई अधिकारी बनकर ठगों ने की महिला से बात

जबलपुर (नप्र)। रांझी थाना क्षेत्र के रक्षा नगर कालोनी निवासी कुसुमलता (61) को डिजिटल अरेस्ट कर साइबर ठगों ने 35 लाख रुपये ऐंठ लिए। दो दिन बाद रविवार को पीड़िता पति के साथ पुलिस के पास पहुंची और घटना की शिकायत दर्ज कराई है।

पीड़ित बुजुर्ग महिला के पति गोकुलचंद आर्मी बेस वर्कशाप के सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं। 14 जनवरी को महिला के मोबाइल पर फोन आया। बात करने वाले ने स्वयं को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का अधिकारी बताया। उसने क्रेडिट कार्ड की बकाया राशि जमा नहीं होने की जानकारी दी, साथ ही उनके बैंक खाते से मनी लांड्रिंग होने का आरोप लगाते हुए कानूनी कार्रवाई आरंभ करने की जानकारी दी। यह सुनकर महिला घबरा गई। यह भांपते ही साइबर ठगों ने अपना खेल शुरू कर दिया।

पुलिस, अधिवक्ता देखकर घबरा गई- आरोपितों ने 14 और 15 जनवरी को महिला को वीडियो कॉल किया। पहले एसबीआई अधिकारी बनकर बात की। फिर उन्हें मनी लांड्रिंग केस में कार्रवाई करने की बात कही। इस दौरान आरोपितों ने पुलिस और अधिवक्ता जैसा वेश धारण किया था।

पुलिस थाने जैसा दृश्य दिखाया। आरोपितों ने पुलिस और अधिवक्ता बनकर मनी लांड्रिंग मामले में उनके विरुद्ध शीघ्र गिरफ्तारी वारंट जारी होने का भय दिखाया। दो दिन में कई बार फोन कर आरोपितों ने दबाव बनाया।

जब महिला भयभीत हो गई तो आरोपितों ने मामला बंद करने और जेल जाने से बचाने के लिए 35 लाख रुपये मांगे। यह भी कहा कि वह किसी को कुछ न बताए।

खाते में जमा थे सेवानिवृत्ति में मिले रुपये- महिला के पति हाल ही में शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हुए हैं। सेवानिवृत्ति पर प्राप्त राशि उनके बैंक खाता में जमा थी।

35 लाख भेजने के बाद भी और मांगे तो संदेह हुआ- आरोपितों के गिरफ्तारी के दिखाए गए भय से बचने के लिए 16 जनवरी को महिला पंजाब नेशनल बैंक पहुंची। यहां से आरोपितों के बताए बैंक खाते में आरटीजीएस के माध्यम से 35 लाख रुपये भेजे। ये राशि प्राप्त होने के बाद आरोपित उसे और रुपये भेजने का दबाव बनाने लगे। तब महिला ने स्वजन को जानकारी दी और पुलिस से शिकायत की गई।

महाकाल मंदिर के गर्भगृह में घुसा युवक, शिवलिंग को छुआ

लापरवाही बरतने पर गर्भगृह निरीक्षक और नंदी हॉल प्रभारी को नोटिस, दो गार्ड्स निकाले जाएंगे

उज्जैन (नप्र)। महाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश पर प्रतिबंध होने के बावजूद सोमवार को एक युवक बिना अनुमति गर्भगृह में प्रवेश कर गया। गर्भगृह के आसपास खड़े मंदिर के कर्मचारी और पुजारी हड़बड़ा गए। उन्होंने युवक को पकड़कर गर्भगृह से बाहर निकाल दिया।

मामले की जानकारी मिलते ही मंदिर प्रशासक अनुकूल जैन ने लापरवाही बरतने पर मंदिर के दो कर्मचारियों को नोटिस जारी किया है। सुरक्षा में तैनात क्रिस्टल कंपनी के दो गार्ड्स को सेवा से हटाने के लिए पत्र लिखा है। फिलहाल, युवक को महाकाल थाने भेजा गया है। उसकी पहचान नहीं हो पाई है।

महामंडलेश्वर से साथ दर्शन करने आया था युवक- घटना सोमवार सुबह 8 बजकर 24 मिनट की है। मंदिर में पूजा चल रही थी। इसी दौरान एक युवक देहरी पर दर्शन करता हुआ सीधे गर्भगृह में पहुंच गया। वह काले रंग के ट्रैक सूट में था। युवक ने शिवलिंग को छूकर नमन किया। वहां मौजूद पुजारी ने उसे देखा और पकड़ लिया। कर्मचारियों से कहकर बाहर निकलवाया। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, युवक एक महामंडलेश्वर के साथ गर्भगृह तक पहुंचा था। महामंडलेश्वर के गर्भगृह से बाहर आने के बाद वह अकेला अंदर चला गया। मंदिर प्रबंधन की ओर से शिकायत दर्ज कराने के बाद उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मंदिर प्रशासक अनुकूल जैन ने गर्भगृह निरीक्षक कमल जोशी और नंदी हॉल प्रभारी प्रहलाद भास्कर को लापरवाही के लिए नोटिस जारी किया गया है। क्रिस्टल कंपनी के गार्ड्स सोहन डाबी और अंकित को सेवा से बर्खास्त करने के लिए पत्र लिखा है।

गर्भगृह में प्रवेश पर इसलिए लगाई गई रोक

महाकाल लोक बनने से पहले महाकाल मंदिर में रोजाना 20 से 30 हजार श्रद्धालु पहुंचते थे। अक्टूबर 2022 में महाकाल लोक बनने के बाद भक्तों की संख्या में चार गुनी वृद्धि हो गई। यह संख्या बढ़कर डेढ़ से दो लाख तक पहुंच गई है। इतनी बड़ी संख्या में भक्तों को गर्भगृह में प्रवेश देना नामुमकिन है इसीलिए मंदिर समिति ने प्रवेश पर रोक लगा रखी है। 4 जुलाई 2023 को सावन में आने वाली भीड़ को देखते हुए 11 सितंबर 2023 तक के लिए गर्भगृह बंद किया गया था। तब मंदिर समिति ने कहा था कि सावन खत्म होते ही गर्भगृह आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया जाएगा। अब एक साल से अधिक समय बीत जाने के बाद भी गर्भगृह नहीं खोला गया है।

गर्भगृह में प्रवेश बंद करने का एक कारण यह भी

मंदिर के शिवलिंग क्षरण को लेकर लगी याचिका के बाद सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए मंदिर समिति से सुझाव मांगे थे। एक सुझाव यह भी था कि गर्भगृह में श्रद्धालुओं की संख्या को सीमित किया जाए। इसके बाद मंदिर समिति ने दोपहर 12 से 5 बजे तक ही गर्भगृह में श्रद्धालुओं को जाने की अनुमति दी। कई बार जिओलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने जांच की। रिपोर्ट कलेक्टर समेत अन्य अधिकारियों और कोर्ट को सौंपी थी। इसके बाद समिति ने तय किया कि गर्भगृह आम श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिया जाएगा।

मंत्री विजयवर्गीय ने राहुल गांधी पर साधा निशाना,कहा-

आपके पूर्वजों ने बाबा साहब का अपमान किया, उठक-बैठक लगाकर बाबा साहब से माफी मांगें राहुल

ग्वालियर (नप्र)। सोमवार को ग्वालियर पहुंचे नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने राहुल गांधी के पूर्वजों को टारगेट करते हुए बड़ा बयान दिया है। उन्होंने राहुल गांधी को सलाह दी है कि आपके पूर्वजों ने बाबा साहब के साथ बहुत अन्याय किया है, ऐसे में आपको क्षमा यात्रा निकालते हुए बाबा साहब के सामने उठक-बैठक लगाकर माफी मांगनी चाहिए।

मंत्री विजयवर्गीय ने महू में कांग्रेस द्वारा निकाली जा रही जय बापू जय भीम जय संविधान यात्रा के जरिए राहुल गांधी को टारगेट किया और कहा कि राहुल जी और उनके खानदान ने कभी अंबेडकर साहब का सम्मान नहीं किया। नेहरू जी ने सबसे ज्यादा किसी का तिरस्कार किया तो डॉक्टर अंबेडकर का किया था। वह पार्लियामेंट में ना आए उनको हारने को लेकर वे सभा लेने खुद गए। मतदान हो गया वह जीत जाते लेकिन मतगणना में गड़बड़ी की गई। बाबा साहब अंबेडकर ने चुनाव आयोग को शिकायत की थी।

उस वक्त 75 हजार वोट कांग्रेस की सरकार ने इनवेलिड कर दिए। अंबेडकर साहब का सम्मान पंडित जवाहरलाल नेहरू ने कभी नहीं किया। इसलिए राहुल गांधी डॉक्टर अंबेडकर साहब के प्रति जो कृत्रिकता व्यक्त करने जा रहे हैं उन्हें तो कान पड़कर बाबा साहब के सामने उठक बैठक लगानी चाहिए। औक कहना चाहिए कि मेरे पूर्वजों ने जो गलती की है जो सम्मान आपको मिलना चाहिए था जो नहीं दिया इसके लिए मैं क्षमा चाहता हूं। इसलिए उन्हें क्षमा यात्रा निकालना चाहिए।

स्वच्छता रैंकिंग पर बोले- इंदौर फिर एक नंबर पर आएगा

स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर मंत्री विजयवर्गीय ने दावा किया है कि इस बार भी स्वच्छता रैंकिंग में इंदौर देश में नंबर वन आएगा। इस बार मध्य प्रदेश भी नंबर वन आएगा। मध्य प्रदेश में सभी नगर पालिका, नगर निगम के अध्यक्षों और जितने भी अधिकारी हैं उनको निर्देश दिए हैं कि भारत सरकार द्वारा तय किए गए स्वच्छता के जो मापदंड है, उसको पूरा करने का सभी प्रयास करें। पिछली बार मध्य प्रदेश सेकेंड नंबर पर था। इस बार हमें उम्मीद है कि मध्य प्रदेश नंबर वन आएगा।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने 24 जनवरी को महेश्वर में होने जा रही कैबिनेट बैठक को लेकर कहा कि पूरे देश में एक शिव भक्त न्याय प्रिय महारानी के रूप में देवी अहिल्याबाई होल्कर की पहचान रही है। उनके जन्म के 300 वर्ष पूरे हो रहे हैं। देवी अहिल्या की राजधानी महेश्वर थी। माननीय मुख्यमंत्री जी ने निर्णय लिया है कि इस बार देवी अहिल्याबाई जी को समर्पित कैबिनेट करेंगे। उसमें कुछ महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए जाएंगे। जो देवी अहिल्या माता के सम्मान में होंगे। हमें गर्व है कि एक ऐसी मध्य प्रदेश की देवी अहिल्या माता ऐसी न्यायप्रिय महारानी रही जिन्होंने पूरे देश के अंदर जितने भी धार्मिक स्थल है, उन सब धार्मिक स्थलों पर कहीं ना कहीं मध्य प्रदेश की छाप छोड़ी है। इसलिए ऐसी महारानी के प्रति कृतज्ञता देने के लिए हम सब कैबिनेट के मंत्री महेश्वर में एकत्रित होंगे और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करेंगे और उनके सम्मान में मध्य प्रदेश से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लेंगे।

बीजेपी सरकार बनाने के लिए चुनाव लड़ती है

दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बड़ा दावा किया है। उनका कहना है कि बीजेपी जब भी चुनाव लड़ती है सरकार बनाने के लिए लड़ती है। हमें विश्वास है कि हम दिल्ली में भी सरकार जरूर बनाएंगे।

शराबबंदी पर मंत्री के तर्क

मोहन का मंत्रालय

आशीष चौधरी

क्या मध्यप्रदेश में शराबबंदी संभव है यह यक्ष प्रश्न राजनीति के साथ सत्ता के गलियारों में भी पूछा जा रहा है? लेकिन राज्य सरकार के एक कबीना मंत्री के विचारों में मध्य प्रदेश में शराबबंदी संभव नहीं है। हां, कुछ स्थानों पर 2-5 किलोमीटर के दायरे में इसको लागू किया जा सकता है। मंत्री ने एक अनौपचारिक बैठक में यह बात करते हुये इसके उदाहरण दो तरीके से दिये। मंत्री ने आश्चर्य जताते हुये बताया कि वह महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के दौरान ड्यूटी लगने पर वह एक विधानसभा क्षेत्र में लंबे प्रवास पर रहे तो वहां पर कार्यकर्ताओं की सर्वाधिक माँग शराब को लेकर थी जबकि मंत्री की जहां ड्यूटी लगी थी वहाँ पर महात्मा गांधी जी ने सेवा आश्रम चलाया। वही कैबिनेट मंत्री ने इसको लेकर गुजरात का भी उदाहरण दिया। मालूम हो कि शिवराज सरकार ने प्रदेश के कुछ धार्मिक स्थानो व नर्मदा नदी के 5 किलोमीटर के दायरे में शराबबंदी पूर्व से ही लागू की थी वही डॉक्टर मोहन यादव की सरकार भी इसी नक्शे कदम पर है।

सीएस की रणनीति और तत्परता

यूनियन कार्बाइड के पीथमपुर में कचरा जलाए जाने को लेकर प्रदेश के प्रशासनिक मुखिया मुख्य सचिव अनुराग जैन ने जिस तरीके से इस मसले को डील किया इससे उनकी प्रशासनिक कुशलता का लोहा माना जा रही है। मुख्य सचिव ने अधिकारियों के साथ कई मीटिंग में यहां तक कहा कि दो बार टेस्टिंग होने के बाद भी यदि एक परसेंट भी कचरे के जलने से स्थानीय स्तर पर किसी तरह का नुकसान सामने आता है तो कचरे का निष्पादन नहीं किया जाएगा। अन्ततः मुख्य सचिव ने मोर्चा संभाला और प्रेस कॉन्फ्रेंस कर लोगों की कुशंकाओं को दूर करने का प्रयास भी किया। मुख्य सचिव ने स्थानीय स्तर पर जागरूकता अभियान व्यापक तौर पर चलाकर लोगों को समझाने की हिदायत अफसरो को दी। इसका असर सामने आ रहा है और विरोध भी धीरे-धीरे कम हो रहा है।

दिल्ली चुनाव बाद ही मिलेगा नया अध्यक्ष

दिल्ली विधानसभा चुनाव की वजह से मध्य प्रदेश भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का निर्वाचन टलता जा रहा है। अब प्रदेश को नया अध्यक्ष फरवरी के दूसरे पखवाड़े में मिलने की उम्मीद है। सूत्र बताते हैं कि दिल्ली चुनाव के चलते केंद्रीय शीर्ष नेतृत्व व्यस्त है। इस कारण संगठन के चुनाव पर भी आगे बढ़ाना पड़ रहे है। दिल्ली चुनाव से पहले मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान के भोपाल आने की कोई संभावना नहीं है। दिल्ली चुनाव के बाद ही प्रधान भोपाल आ सकते हैं। रायशुमारी के बाद फरवरी के दूसरे पखवाड़ा में प्रदेश का नया अध्यक्ष का नाम सामने आ जाएगा।वहीं फरवरी के अंत तक पार्टी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल जाएगा।

सचिव बधाई देने डेम पर पहुंचे

राज्य सरकार के एक आयोग में नियुक्त किए गए मुखिया को बधाई देने आयोग के सचिव डेम पर ही पहुंच गए। दरअसल हुआ यह कि आयोग में मुखिया की नियुक्ति का आदेश देर शाम को हुआ। सचिव महोदय को नवनियुक्त मुखिया की दिनचर्या का भली भांति ज्ञान था तो वह बधाई देने बिना समय गवांये डेम पर ही पहुंच गए। बधाई के साथ सचिव ने गुलदस्ता भी मुखिया को भेंट किया।